मुंबई (महाराष्ट्र) से प्रकाशित
हिन्दी दैनिक
उत्तरशक्ति
हर खबर निष्पक्षता के साथ
मुंबई
वर्षः 8 अंक 87
मंगलवार, 07 अक्टूबर 2025
मूल्य 3 रुपए, पृष्ठ-6
RNI NO. MAHHIN/2018/76092
email ID- uttarshaktinews@gmail.com
www.uttarshaktinews.com

बिहार में छह और 11 नवंबर को दो चरणों में मतदान, 14 नवंबर को आएंगे नतीजे

नई दिल्ली, 06 अक्टूबर। बिहार चुनाव को लेकर तारीखों का ऐलान हो गया है। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने आज एक संवाददाता सम्मेलन में बिहार चुनाव की तारीखों का ऐलान किया। इसके साथ ही बिहार में चुनाव आचार संहिता लागू हो गया। बिहार में कुल दो चरणों में चुनाव होंगे। बिहार में पहले चरण का वोट 6 नवंबर को डाले जाएंगे जबकि दूसरे चरण के मतदान 11 नवंबर को होंगे। चुनावी नतीजे 14 नवंबर को आएंगे। बिहार में मुख्य मुकाबला भाजपा-जदयू की गठबंधन वाले एनडीए और राजद-कांग्रेस के गठबंधन वाले महागठबंधन के बीच है। ज्ञानेश कुमार ने बताया कि बिहार में 7.43 करोड़ मतदाता हैं। इनमें से चार लाख वरिष्ठ नागरिक हैं और 14,000 मतदाता 100 वर्ष की आयु पूरी कर चुके हैं। चौदह लाख मतदाता पहली बार मतदान कर रहे हैं।

मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने बताया कि एसआईआर के बाद अंतिम मतदाता सूची सभी राजनीतिक दलों को दे दी गई है। नामांकन दाखिल करने की तिथि के बाद जारी होने वाली मतदाता सूची अंतिम होगी। उन्होंने कहा कि चुनाव आयोग बिहार के मतदाताओं को बताना चाहता है कि हम कानून-व्यवस्था बनाए रखते हुए पारदर्शी तरीके से चुनाव संपन्न कराना सुनिश्चित करेंगे। उन्होंने कहा कि सभी अधिकारियों को पूरी तरह निष्पक्षता से काम करने और हितधारकों के लिए सुलभ रहने के निर्देश दिए गए हैं। अगर किसी मीडिया हाउस या व्यक्ति के माध्यम से कोई गलत सूचना मिलती है, तो चुनाव आयोग उसका खंडन करेगा।

ज्ञानेश कुमार ने कहा कि विश्वास बहाली के उपाय के तौर पर CAPF को पहले से तैनात किया जाएगा...सभी अधिकारियों को पूरी तरह निष्पक्ष तरीके से काम करना होगा। अगर किसी भी माध्यम या प्लेटफॉर्म पर कोई फजी खबर या गलत सूचना है, तो उसका खंडन किया जाएगा। ड्रग्स, शराब और नकदी के लेन-देन को रोकने के लिए सभी चौकियों पर कड़ी निगरानी रखी जाएगी।

वर्तमान में देखें तो 243 सदस्यीय बिहार विधानसभा में एनडीए के पास 131 सीटें हैं, जबकि महागठबंधन के पास 111 सीटें हैं।

एनडीए में भाजपा के पास 80, जदयू के पास 45 और जीतन राम मांझी की हम (एस) के पास 4 सीटें हैं। इसके अलावा, एनडीए को दो निर्दलीय विधायकों के समर्थन का भी लाभ मिल रहा है। दूसरी ओर, महागठबंधन में राजद की 77, कांग्रेस की 19, भाकपा (माले) की 11, माकपा की 2 और भाकपा की 2 सीटें शामिल हैं।

सोनिया गांधी ने मुख्य न्यायाधीश बीआर गवई पर जूता फेंकने की घटना को बताया संविधान पर आघात

नई दिल्ली, 06 अक्टूबर। कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी ने सोमवार को सुप्रीम कोर्ट में हुई घटना की निंदा की है, जिसमें एक वकील ने भारत के मुख्य न्यायाधीश बीआर गवई पर जूता फेंककर हमला करने की कोशिश की। सोनिया गांधी के बयान में कहा गया भारत के माननीय मुख्य न्यायाधीश पर सर्वोच्च न्यायालय में हुए हमले की निंदा करने के लिए कोई भी शब्द पर्याप्त नहीं है। यह न केवल उन पर, बल्कि हमारे संविधान पर भी हमला है। मुख्य न्यायाधीश गवई बहुत दयालु रहे हैं, लेकिन पूरे देश को गहरी पीड़ा और आक्रोश के साथ उनके साथ एकजुटता से खड़ा होना चाहिए। यह चौंकाने वाला बयान 71 वर्षीय वकील राकेश किशोर द्वारा कथित तौर पर अदालती कार्यवाही के दौरान मुख्य न्यायाधीश गवई पर जूता फेंकने के बाद आया है, लेकिन सुरक्षाकर्मियों ने उन्हें रोक लिया।

भारत के मुख्य न्यायाधीश बीआर गवई पर हमले की कोशिश के बाद, बार काउंसिल ऑफ इंडिया ने अधिवक्ता राकेश किशोर का लाइसेंस तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। अदालती कार्यवाही के दौरान मुख्य न्यायाधीश पर जूता फेंकने का प्रयास करने वाले किशोर को आगे की अनुशासनात्मक कार्रवाई तक देश भर की किसी भी अदालत, न्यायाधिकरण या कानूनी प्राधिकरण में वकालत करने से रोक दिया गया है। एक कारण बताओ नोटिस जारी किया जाएगा, जिसमें अधिवक्ता को आदेश प्राप्त होने के 15 दिनों के भीतर जवाब देना होगा, जिसमें यह बताना होगा कि निलंबन जारी क्यों नहीं रखा जाना चाहिए और आगे की कार्रवाई क्यों नहीं की जानी चाहिए।

दिवाली पर हरित पटाखों पर प्रतिबंध हटाने के लिए दिल्ली सरकार न्यायालय का दरवाजा खटखटाएगी : रेखा गुप्ता

दिल्ली, 06 अक्टूबर। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने सोमवार को कहा कि उनकी सरकार राष्ट्रीय राजधानी में दिवाली पर हरित पटाखे फोड़ने की अनुमति के लिए उच्चतम न्यायालय का दरवाजा खटखटाएगी।

गुप्ता ने कहा कि सरकार उच्चतम न्यायालय के समक्ष लिखित रूप में अपना पक्ष रखेगी। उन्होंने यह भी कहा कि सरकार प्रमाणित हरित पटाखों के उपयोग, जनभागीदारी सुनिश्चित करने और नियमों का पालन सुनिश्चित करने के लिए निर्देश मांगेगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि दिवाली सबसे बड़े त्योहारों में से एक है और उनकी सरकार ने शहर में करोड़ों लोगों द्वारा इस त्योहार को मनाने के मद्देनजर अदालत का दरवाजा खटखटाने का फैसला किया है।

उन्होंने कहा, दिल्ली सरकार प्रदूषण को प्रभावी ढंग से नियंत्रित करने और पर्यावरण की रक्षा के लिए अपनी प्रतिबद्धता दोहराती है तथा इस संबंध में जारी किसी भी निर्देश को लागू करने में उच्चतम न्यायालय को पूर्ण सहयोग का आश्वासन देती है। अदालत के आदेशानुसार, दिल्ली में सभी प्रकार के पटाखों पर प्रतिबंध है।

पुलिस के सामने दिया बयान अस्वीकार्य, दो लोगों का आजीवन कारावास रद्दः उत्तराखंड उच्च न्यायालय

नैनीताल, 06 अक्टूबर। उच्च न्यायालय ने नैनीताल जिले के हल्द्वानी में 15 साल पहले हुए उदय प्रकाश अग्रवाल उर्फ बबलू हत्याकांड में प्रकाश पाण्डेय उर्फ विकास त्यागी और उमेश सजवाण की आजीवन कारावास की सजा रद्द कर उन्हें बरी कर दिया।

उच्च न्यायालय ने हालांकिमामले में तीन सह आरोपियों घनानंद जोशी, सूरज वर्मा और चमन लोहारी को बरी किए जाने के अधीनस्थ न्यायालय के निर्णय को बरकरार रखा और इस संबंध में राज्य सरकार की अपील को खारिज कर दिया।

उच्च न्यायालय ने 22 सितंबर को यह फैसला सुनाया। अधीनस्थ न्यायालय द्वारा सजा सुनाए जाने के खिलाफ पाण्डेय व सजवाण और मामले में तीन सह आरोपियों को बरी किए जाने के फैसले के विरुद्ध राज्य सरकार ने उच्च न्यायालय में अपील दायर की थी। अग्रवाल की 18 अप्रैल, 2010 को हत्या कर दी गयी थी और मामले में पांच लोगों को आरोपी बनाया गया था।

अधीनस्थ न्यायालय ने पाण्डेय व सजवाण को तत्कालीन भारतीय दंड संहिताकी धारा 302 और शस्त्र अधिनियम की धारा 25 के तहत दोषी ठहराते हुए आजीवन कारावास की सजा सुनाई और जुमार्ना भी लगाया।

अदालत ने हालांकि तीन अन्य आरोपियों को बरी कर दिया था। न्यायमूर्ति रविंद्र मैठाणी और न्यायमूर्ति आलोक माहरा की खंडपीठ ने पाया कि अभियोजन पक्ष मामले को तर्कसम्मत संदेह से परे साबित करने में विफल रहा। खंडपीठ ने कहा कि दोषसिद्धि मुख्यतः पुलिस के समक्ष दिये गये कथित कबूलनामे पर आधारित थी, जो सबूत के रूप में अस्वीकार्य थी।

पीठ ने कहा कि यह बयान भारतीय साक्ष्य अधिनियम की धारा 30 के तहत सह आरोपी के खिलाफ इस्तेमाल नहीं किये जा सकते थे। अदालत ने कहा कि यह बयान किसी मजिस्ट्रेट के समक्ष दर्ज नहीं किया गया था और इसलिए इसकी कानूनी वैधता नहीं थी।

अदालत ने यह भी कहा कि पांच सितंबर 2010 को रोडवेज बस स्टैंड के पास आरोपियों के पास से तमंचे और कारतूसों की कथित बरामदगी की पुष्टि किसी स्वतंत्र गवाह द्वारा नहीं की गयी थी। पीठ ने कहा कि इसके अलावा बरामद हथियारों को अपराध से जोड़ने वाली फोरेंसिक की कोई रिपोर्ट भी नहीं थी।

उच्च न्यायालय ने कहा कि कथित प्रत्यक्षदर्शी भास्कर बृजवासी की गवाही भी भरोसे के योग्य और विश्वसनीय नहीं थी। अदालत ने पाया कि घटना का गवाह होने का दावा करने के बावजूद उसने पुलिस को इसकी सूचना नहीं दी, मृतक की सहायता करने में विफल रहा और उसका बयान वर्षों बाद दर्ज किया गया।

बिहार चुनावः बीजेपी आश्वस्त, जनता देगी ऐतिहासिक जनादेश, फिर एनडीए सरकार : अमित शाह

नई दिल्ली, 06 अक्टूबर। चुनाव आयोग ने सोमवार को बिहार विधानसभा चुनाव कार्यक्रम की घोषणा कर दी। 243 विधानसभा सीटों के लिए दो चरणों में 6 नवंबर और 11 नवंबर को मतदान होगा और मतगणना 14 नवंबर को होगी। इसको लेकर राजनीतिक दलों की ओर से प्रतिक्रियाएं आने लगी हैं। गृह मंत्री अमित शाह ने एक्स पर लिखा कि चुनाव आयोग ने बिहार विधानसभा चुनाव की घोषणा कर दी है। लोकतंत्र के इस महापर्व के लिए समस्त बिहारवासियों को बधाई। मोदी जी के नेतृत्व में एनडीए सरकार ने बिहार को जंगलराज से निकालकर विकास और सुशासन की नई दिशा दी है। आज बिहार, गरीब कल्याण के साथ इंफ्रास्ट्रक्चर, स्वास्थ्य, शिक्षा हर क्षेत्र में ऐतिहासिक बदलाव का साक्षी बन रहा है। उन्होंने कहा कि मुझे पूर्ण विश्वास है कि बिहार की जनता इस बार भी विकास की राजनीति को चुनेगी।

भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा ने कहा कि भारतीय निर्वाचन आयोग द्वारा आज बिहार विधानसभा चुनाव की घोषणा का मैं स्वागत करता हूँ। चुनाव लोकतंत्र का सबसे बड़ा उत्सव है। यह देश व प्रदेश को विकास और सुशासन के पथ पर अग्रसर रखने का प्रमुख माध्यम है। उन्होंने आगे कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में बिहार में एनडीए सरकार जनकल्याण और सुशासन का पर्याय बनी है। बिहार का यह चुनाव प्रदेश को विकास के रास्ते पर अनवरत ले जाने, घुसपैठिया मुक्त करने और जंगलराज को फिर से आने से रोकने का चुनाव है। मुझे पूर्ण विश्वास है कि लोकतंत्र की जननी बिहार की पुण्यधरा की जनता इन विधानसभा चुनावों में भारतीय जनता पार्टी एवं ठऊअ को अपना आशीर्वाद और प्रचंड मतों से समर्थन प्रदान करेगी।

गोंदिया में तीन लोग तालाब में डूबे

गोंदिया। महाराष्ट्र में गोंदिया जिले के एक खेत में बने तालाब में दो किशोर और एक 21 वर्षीय युवक डूब गया। एक पुलिस अधिकारी ने सोमवार को बताया कि आदित्य सुनील बैस (15), तुषार मनोज राउत (17) और अभिषेक रामचरण आचले (21) रविवार देर रात देवरी तहसील के पुरादा गांव में डूब गए।

सालेकसा थाने के निरीक्षक भूषण बुराडे ने बताया, ह्यह्यवे यहां एक पारिवारिक समारोह में शामिल होने आए थे। उनकी मोटरसाइकिल तालाब के पास खड़ी देखी गई। इसके तुरंत बाद शव बरामद कर लिए गए।

ताकि दवा जहर बन फिर से मासूमों की मौत न बने

-ललित गर्ग

दो राज्यों राजस्थान और मध्य प्रदेश में कफ सिरप से जुड़ी बच्चों की मौत की घटनाएं देश की दवा नियामक व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े करती हैं। यह केवल एक चिकित्सा त्रुटि या आकस्मिक दुर्घटना नहीं, बल्कि उस तंत्र की विफलता का प्रतीक है जिस पर जनता अपना जीवन की रक्षा के लिए भरोसा करती है। दवा जैसी जीवनदायी वस्तु में भी जब लालच, लापरवाही या भ्रष्टाचार घुसपैठ कर जाते हैं तो वह अमृत भी विष बन जाता है। बच्चों की मासूम जानें जब घटिया या मिलावटी दवा के कारण चली जाती हैं, तो यह केवल परिवारों की नहीं, बल्कि पूरे समाज की नैतिकता एवं विश्वास की मृत्यु होती है। कफ सिरप में पाए गए विषैले तत्व-जैसे डाइएथिलीन ग्लाइकॉल या एथिलीन ग्लाइकॉल, पहले भी कई देशों में सैकड़ों बच्चों की जान ले चुके हैं। फिर भी बार-बार ऐसे हादसे होना इस बात का प्रमाण है कि भारत की दवा नियामक व्यवस्था में संरचनात्मक खामियां बनी हुई हैं। सवाल है कि

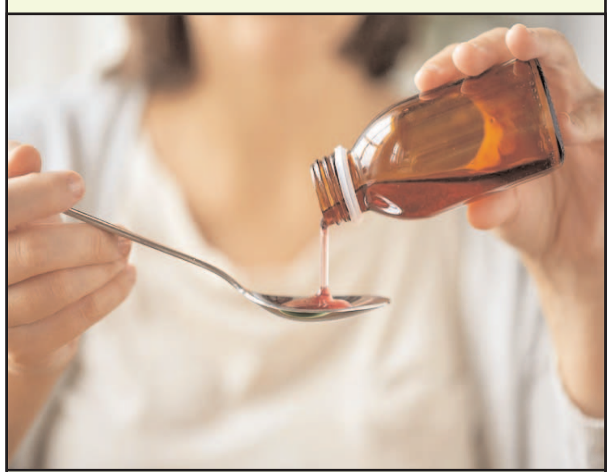

पिछली गलतियों से क्या सीखा गया? भारत में बने कफ सिरप पहले भी सवालों में आ चुके हैं। 2022 में गाम्बिया में कई बच्चों की मौत के बाद डब्ल्यूएचओ ने एक भारतीय कंपनी के कफ सिरप को लेकर चेतावनी जारी की थी। इसके बाद भी कई और जगहों से इसी तरह की शिकायत आई।

दवाओं के उत्पादन में भारत दुनिया में तीसरे नंबर पर है। करीब 200 देशों में यहां से दवाएं निर्यात होती हैं और जेनेरिक दवाएं सबसे ज्यादा यहीं बनती हैं। इन उपलब्धियों के बीच इन दो प्रमुख राज्यों में कफ सिरप की वजह से बच्चों की मौत शर्मनाक एवं त्रासदीपूर्ण है। इससे स्पष्ट है कि दवा के क्षेत्र में जिस तरह की निगरानी, मानक और सुरक्षा उपायों की जरूरत है, उसमें कोताही बरती जा रही है। दवा के रूप में जहर धड़ल्ले से मासूमों की मौत का कारण बन रहा है। इस घटना सामने आने के बाद कार्रवाई का दौर भले ही जारी है। दवाएं वापस ली गई हैं, केस दर्ज हुआ है और नैशनल रेगुलेटर अथॉरिटी ने कई राज्यों में जांच की है। इन घटनाओं से साफ है कि दवा निर्माण की प्रक्रिया में कच्चे माल के स्रोत से लेकर तैयार उत्पाद की गुणवत्ता जांच तक हर स्तर पर लापरवाही व्याप्त है। कई कंपनियां लागत घटाने के लिए औद्योगिक ग्रेड के सॉल्वेंट या रसायनों का प्रयोग कर लेती हैं जो मानव उपभोग के लिए निषिद्ध होते हैं। वहीं निरीक्षण और परीक्षण की सरकारी व्यवस्था न केवल कमजोर है बल्कि अक्सर प्रभावशाली कंपनियों के दबाव में निष्क्रिय भी हो जाती है। राज्य और केंद्र स्तर के दवा-नियामक विभागों में पर्याप्त संसाधन और तकनीकी क्षमता का अभाव है, जिससे समय पर निगरानी और सैंपल परीक्षण संभव नहीं हो पाता। जब निरीक्षण औपचारिकता बन जाए और रिपोर्टें खरीद-फरोख्त की वस्तु बन जाएं, तब ऐसी त्रासदियां स्वाभाविक बन जाती हैं। तमिलनाडु की दवा कंपनी श्रीसन फार्मास्युटिकल्स के कोल्ड्रिफ कफ सिरप के नमूने में 48.6 प्रतिशत डाई एथिलीन ग्लाइकोल मिला है, जबकि अंतरराष्ट्रीय मानक के अनुसार इसकी मात्रा 0.10 प्रतिशत से अधिक नहीं होनी चाहिए। यह एक खतरनाक इंडस्ट्रियल केमिकल है, जिसका इस्तेमाल गाड़ियों और मशीनों में होता है। इसकी वजह से पीड़ित बच्चों की किडनी फेल हो गई।

इन घटनाओं ने न केवल स्वास्थ्य प्रशासन की विश्वसनीयता को चोट पहुंचाई है बल्कि भारत की वैश्विक छवि पर भी धब्बा लगाया है। पिछले वर्षों में अफ्रीकी देशों में भी भारतीय सिरप से हुई मौतों के बाद कई देशों ने हमारे फार्मा उत्पादों पर प्रतिबंध लगाया था। अब घरेलू स्तर पर घटित ऐसी घटनाएं यह दशार्ती हैं कि हमने उन हादसों से कोई सबक नहीं लिया। दुनिया के सबसे बड़े जेनेरिक दवा उत्पादक देश के रूप में भारत को यह मानना होगा कि केवल उत्पादन की मात्रा नहीं, बल्कि गुणवत्ता ही हमारी असली ताकत होनी चाहिए। इस संकट का सबसे पीड़ादायक पहलू यह है कि इसका शिकार वे मासूम बच्चे बने जिनकी प्रतिरोधक क्षमता अभी विकसित नहीं हुई थी और जिनकी जीवन रक्षा का उत्तरदायित्व समाज और राज्य पर है। इन मौतों की नैतिक जिम्मेदारी केवल दोषी कंपनियों पर नहीं, बल्कि उस पूरे तंत्र पर है जिसने नियमन और नैतिकता की आंखें मूंद लीं। दवाओं में मिलावट या गलत प्रमाणपत्र देना कोई साधारण अपराध नहीं बल्कि मानवता के खिलाफ किया गया घोर अपराध है। इस पर कड़े से कड़ा दंड होना चाहिए ताकि भविष्य में कोई भी निमार्ता या अधिकारी ऐसी हरकत करने से पहले सौ बार सोचे। भारत के फार्मास्युटिकल मार्केट का आकार लगभग 60 अरब डॉलर है। इसका बड़ा हिस्सा छोटी कंपनियों के पास है। सीडीएससीओ ने इस साल अप्रैल की अपनी रिपोर्ट में बताया था कि ज्यादातर छोटी और मझोली कंपनियों की दवाएं जांच में तयशुदा मानक से कमतर पाई गईं। इस जांच में 68 प्रतिशत एमएसएमई फेल हो गई थीं। इससे पहले, जब केंद्रीय एजेंसी ने 2023 में जांच की, तब भी 65 प्रतिशत कंपनियों की दवाएं सब-स्टैंडर्ड मिली थीं। प्रश्न है कि यह तथ्य सामने आने के बाद आखिर सरकार क्या सोच कर इन दवाओं को बाजार में विक्रय क्यों जारी रहने दिया? क्यों ऐसे हादसे होने दिये जाते रहे? यह आवश्यक है कि दवा उद्योग में कच्चे माल की ट्रेसबिलिटी सुनिश्चित की जाए, हर बैच की जांच रिपोर्ट सार्वजनिक रूप से उपलब्ध हो और दवाओं के मानक अंतरराष्ट्रीय स्तर के हों। केंद्र और राज्य सरकारों को ड्रग इंस्पेक्टरों की संख्या और प्रयोगशालाओं की क्षमता बढ़ानी चाहिए। हर कंपनी के लाइसेंस नवीनीकरण के समय उसकी पिछली गुणवत्ता रिपोर्ट और परीक्षण परिणामों की समीक्षा की जानी चाहिए। जिन कंपनियों ने सुरक्षा मानकों का उल्लंघन किया है, उनके लाइसेंस तत्काल रद्द कर दिए जाने चाहिए और शीर्ष प्रबंधन को व्यक्तिगत रूप से उत्तरदायी ठहराया जाना चाहिए। केवल प्रशासनिक कार्रवाई पर्याप्त नहीं, बल्कि इन मामलों में आपराधिक जिम्मेदारी तय करना भी जरूरी है।

इसके साथ ही चिकित्सा जगत और समाज को भी आत्मचिंतन करना चाहिए। डॉक्टरों को यह समझना होगा कि शिशुओं को ओटीसी- ऑवर दी कॉउन्टर दवाएं देना कितना खतरनाक हो सकता है। सरकार द्वारा जारी परामर्श और चेतावनियों को जमीनी स्तर तक पहुंचाने की जरूरत है। मीडिया को भी सनसनी से ऊपर उठकर जनता को जागरूक करने की जिम्मेदारी निभानी होगी। इन त्रासदियों को केवल समाचार बनाकर भुला देना नहीं, बल्कि उन्हें स्वास्थ्य-सुधार के आंदोलन में बदलना समय की मांग है। क्योंकि सरकारी अनुमान से इस साल देश का दवा निर्यात 30 अरब डॉलर को पार कर जाएगा। वहीं, 2030 तक फार्मा मार्केट के 130 अरब डॉलर तक पहुंचने की उम्मीद है। लेकिन, इसके साथ चुनौतियां भी बढ़ रही हैं। दवाओं की जांच और निगरानी अभी तक की कमजोर कड़ी साबित हुई है। केंद्रीय और राज्य की नियामक एजेंसियों को ज्यादा बेहतर तालमेल के साथ, पारदर्शिता, ईमानदारी और ज्यादा तेजी से काम करने की जरूरत है, क्योंकि यह मामला केवल इकॉनमी या देश की छवि ही नहीं, अनमोल जिंदगियों से जुड़ा है। अंततः यह घटना हमें याद दिलाती है कि जीवन रक्षा के साधनों में जब नैतिकता का अभाव हो जाता है तो प्रगति की समूची इमारत ध्वस्त हो जाती है। दवा उद्योग में पारदर्शिता, जिम्मेदारी और मानवीय संवेदनशीलता को सर्वोच्च प्राथमिकता देनी होगी। सरकार और समाज दोनों को मिलकर यह सुनिश्चित करना होगा कि किसी भी बच्चे की जान किसी घटिया या मिलावटी दवा के कारण न जाए। जब तक दवा बनाने वाला और दवा बांटने वाला अपनी जिम्मेदारी को धर्म, करुणा, विश्वास और ईमानदारी की दृष्टि से नहीं देखेगा, तब तक ऐसी त्रासदियां दोहराई जाती रहेंगी। इसलिए अब वक्त आ गया है कि हम दवा नहीं, दायित्व बनाएं, नियमन नहीं, निष्ठा पैदा करें और इस मानवता विरोधी अपराध के लिए दोषियों को उदाहरण स्वरूप कठोरतम दंड दें ताकि भविष्य में जीवन रक्षक औषधि फिर से विश्वास की प्रतीक बन सके।

तालिबान के विदेश मंत्री का भारत दौरा एक नए अध्याय के शुरूआत

अशोक भाटिया

अफगानिस्तान पर तालिबान के कब्जे के तकरीबन 4 साल बाद, अब भारत और तालिबान के बीच औपचारिक संवाद का नया अध्याय शुरू होने जा रहा है। तालिबान के विदेश मंत्री आमिर खान मुत्ताकी आगामी 9 अक्टूबर को पहली बार भारत का दौरा करने आ रहे हैं। यह दौरा केवल प्रतीकात्मक नहीं है, बल्कि दक्षिण एशिया की जियो-पॉलिटिकल तस्वीर में एक बड़े बदलाव का बड़ा संकेत भी देता है। तालिबान और भारतीय अधिकारियों के बीच अब तक मुख्य रूप से दुबई और काबुल में बैठकें आयोजित की जा रही हैं। लेकिन यह पहली बार होगा जब तालिबान का शीर्ष नेतृत्व सीधे भारत आएगा। इस कदम के जरिये यह स्पष्ट रूप से संदेश जाता है कि अफगानिस्तान अब पाकिस्तान की छाया से बाहर निकलकर भारत के करीब आ रहा है।

15 अगस्त 2021 को जब तालिबान ने अफगानिस्तान पर कब्जा किया था तो भारतीय अधिकारी काबुल स्थिति दूतावास बंदकर दिल्ली लौट आए थे। उस वक्त माना गया कि अफगानिस्तान का दरवाजा अब दिल्ली के लिए हमेशा के लिए बंद हो गया है। लेकिन आज करीब चार सालों के बाद तालिबान के विदेश मंत्री आमिर खान मुत्ताकी भारत आ रहे है। ऐसा शायद ही किसी ने सोचा होगा। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद ने मुत्ताकी के दिल्ली दौरे को मंजूरी दे दी है और वो 16 अक्टूबर से पहले भारत आ सकते हैं।तालिबान और भारतीय अधिकारियों के बीच अभी तक दुबई और काबुल में मुलाकात होती रही है और ये पहली बार होगा, जब तालिबान के शीर्ष नेतृत्व का कोई अधिकारी भारत आ रहा हो। इसीलिए आमिर खान मुत्ताकी का दिल्ली दौरा सिर्फ प्रतीकात्मक नहीं है। इस साल की शुरूआत में भारतीय विदेश मंत्री एस जयशंकर ने मुत्ताकी से टेलीफोन पर बात की थी और इस साल जून में, भारत ने हैदराबाद स्थित अफगान वाणिज्य दूतावास का नियंत्रण तालिबान की तरफ से नियुक्त किए गये मोहम्मद रहमान को वाणिज्य दूतावास प्रतिनिधि के रूप में सौंप दिया था। अफगानिस्तान में आने वाले हर आपदा के समय भारत प्रतिक्रिया देने वाला पहला देश रहा है। हालिया भूकंप के समय भी भारत ने तत्काल राहत सहायता भेजी थी। इसके अलावा अफगान नागरिकों और भारतीय नागरिकों के बीच का रिश्ता भी काफी मजबूत है और ये एक बड़ी वजह है, जिसने तालिबान को भारत के साथ रिश्ता मजबूत करने को मजबूर किया है। नई दिल्ली ने करीब 50,000 टन गेहूं, 330 टन दवाइयां और अन्य खाद्य एवं आश्रय सामग्री अफगान जनता तक पहुंचाई है, जबकि सितंबर के भूकंप के तुरंत बाद राहत सामग्री भेजना भी भारत की अफगानिस्तान को लेकर तत्परता को दशार्ता है। भारत जानता है, कि अफगानिस्तान उसके लिए कितना महत्वपूर्ण है, खासकर उस वक्त जब तालिबान और पाकिस्तान बार बार युद्ध के मुहाने पर खड़े हो रहे हैं। तालिबान और पाकिस्तान के बीच का रिश्ता चीन की मध्यस्थता के बावजूद निम्नतम स्तर पर है।

जियो-पॉलिटिकल एक्सपर्ट और मिडिल ईस्ट के जर्नलिस्ट उमर वज़िरी ने लिखा है कि पाकिस्तान के साथ तालिबान के रिश्ते खराब होने के पीछे कई वजहें हैं। दशकों तक पाकिस्तान ने तालिबान को अपना प्रॉक्सी माना और उन्हें आश्रय, हथियार और वित्तीय सहायता दी। लेकिन पाकिस्तान ने इसके साथ ही अफगानिस्तान को अपना पांचवां राज्य भी मानना शुरू कर दिया। पाकिस्तान ने अफगानों को अपना गुलाम मानना शुरू कर दिया और पाकिस्तान चाहता था कि तालिबान की विदेश नीति इस्लामाबाद से तय हो। जिसे मानने से तालिबान ने साफ इनकार कर दिया। इसके बाद दिसंबर 2024 में पाकिस्तान ने अफगानिस्तान में भीषण हवाई हमला करते हुए दर्जनों अफगानों को मार डाला और पाकिस्तान में रहने वाले लाखों अफगानों को देश से बाहर कर दिया।

तालिबान ने अफगान शरणार्थियों को बाहर निकालने की घटना को पाकिस्तान का विश्वासघात माना है। पाकिस्तान और अफगानिस्तान की सीमा, जिसे डूरंड लाइन कहा जाता है, उसपर भी पाकिस्तान और तालिबान के बीच विवाद है। तालिबान ने डूरंड लाइन पर पाकिस्तान की तरफ से लगाए गये बाड़ को उखाड़ फेंका है।

तालिबान, भारत को लेकर अफगानों के दिल में प्यार को महसूस कर रहा है। इसके अलावा तालिबान, पाकिस्तान की हरकतों से परेशान रहा है। तालिबान भी अफगानिस्तान में विकास चाहता है और वो चाहता है कि भारत, अफगानिस्तान में चलाए जा रहे अपने डेवलपमेंट प्रोजेक्ट को फिर से शुरू करे। इसीलिए तालिबान ने कई दफे भारत को अपना सहयोगी कहकर संबोधित किया है। तालिबान ने पहलगाम आतंकी हमले की ना सिर्फ आलोचना की थी, बल्कि भारत के 'जवाब देने के अधिकार' का भी समर्थन किया था। भारत ने अफगानिस्तान में 2000 के दशक से संसद भवन, सड़कें, बांध और स्कूल बनाने जैसे विकास कार्यों में योगदान दिया है। साथ ही, चाबहार पोर्ट के माध्यम से पाकिस्तान के बंदरगाह कनेक्शन को बायपास कर अफगानिस्तान को समुद्री मार्ग उपलब्ध कराना भी रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण है। भारत ने तालिबान के साथ औपचारिक मान्यता दिए बिना बातचीत कर संतुलन बनाए रखा है। उमर वज़िरी ने कहा है कि तालिबान का भारत को लेकर सकारात्मक नजरिया न सिर्फ पाकिस्तान के लिए चेतावनी है, बल्कि दक्षिण एशियाई भू-राजनीति में बहुत बड़े बदलाव का संकेत भी देता है। पाकिस्तान की नीतियों, अफगानिस्तान में हवाई हमले, अफगान शरणार्थियों को बेइज्जत कर बाहर निकालना, सीमा विवाद ने पाकिस्तान को लेकर तालिबान के विश्वास को खत्म कर दिया है। जबकि भारत की दीर्घकालिक मदद, व्यापारिक विकल्प और सम्मानजनक संवाद तालिबान को पाकिस्तान की पकड़ से आजाद कर रहे हैं। मुत्ताकी की नई दिल्ली यात्रा इस बदलाव का प्रतीक बन गई है, जिससे साफ संदेश जाता है कि अफगानिस्तान अब पाकिस्तान की छाया से बाहर निकल कर भारत की तरफ बढ़ रहा है। वैसे भारत सरकार ने अभी तक अफगानिस्तान में तालिबान शासन को मान्यता नहीं दी है, लेकिन वह दिन दूर नहीं राह गया जब तालिबान के विदेश मंत्री आमिर खान मुत्ताकी अगले सप्ताह भारत आएंगे। चूंकि वे दुश्मन के दोस्त हैं, इसलिए ऐसी दोस्ती पर भारत को पुनर्विचार भी करना चाहिए । तालिबान ने चार साल पहले अगस्त 2021 में दूसरी बार अफगानिस्तान पर नियंत्रण किया था। जबकि तालिबान द्वारा पहली बार अफगानिस्तान में सरकार को उखाड़ फेंकने के समय भारत के अपदस्थ सरकार के साथ मजबूत संबंध थे और दूसरी बार भी, तालिबान पाकिस्तान के सक्रिय समर्थन से पैदा हुआ था और कश्मीर में आतंकवादियों के प्रति अपने सार्वजनिक भाईचारे के कारण शुरू से ही जिहादी संगठन के साथ मतभेद में रहा है। तालिबान को यह भी एहसास हो गया है कि वह अफगानिस्तान में पश्तूनों और अन्य संस्कृतियों का सफाया करके अपना खुद का निरंकुश शासन स्थापित करना चाहता है। इसलिए दूसरी बार सत्ता में आए तालिबान शासक पाकिस्तान के पक्ष में बिल्कुल भी नहीं हैं । इससे भी महत्वपूर्ण बात यह है कि भारत कई वर्षों से अफगानिस्तान में कई क्षेत्रों जैसे बुनियादी ढांचे, दवा, खाद्य आपूर्ति आदि में शामिल और निवेश कर रहा है।यह सबसे मूल्यवान सॉफ्ट पावर है जो क्रिकेट से आती है। इसका कालातीत महत्व कोविड काल के दौरान उतना ही स्पष्ट था जितना कि पिछले सितंबर में अफगानिस्तान में आए विनाशकारी भूकंप के बाद था। जबकि तालिबान को यह महसूस करने में समय लगा कि भारत इस तरह के कठिन क्षण में सबसे करीबी और सबसे विश्वसनीय आपूर्तिकर्ता था, दोनों देशों के बीच इस साल औपचारिक और अनौपचारिक वार्ता के नियमित दौर हुए हैं, जिसका समापन आने वाले दिनों में तालिबान के विदेश मंत्रियों की बैठक में हुआ है। पाकिस्तान-अफगानिस्तान संबंधों में गिरावट का तात्कालिक कारण इस साल की शुरूआत में आया थाः भारत और अफगानिस्तान के बीच संबंध तनावपूर्ण हो गए हैं क्योंकि 80,000 अफगान शरणार्थियों को देश छोड़ने और अफगानिस्तान जाने के लिए कहा गया था। जनवरी में, भारत के विदेश सचिव, विक्रम मिश्री और अफगान विदेश मंत्री मुत्ताकी ने दुबई में मुलाकात की, और चर्चा का केंद्र मानवीय सहायता के आसपास था। तालिबान शासन ने अप्रैल में पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले की स्पष्ट रूप से निंदा की थी। 15 मई को विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने मुट्टकी से फोन पर बात की और उन्हें धन्यवाद दिया। अगस्त 2021 के बाद से दोनों देशों के बीच यह पहला मंत्रिस्तरीय संपर्क था। दोनों देशों के बीच संबंधों ने वहां से एक अलग मोड़ और गति ली। तालिबान अब लगातार भारत से दवा, भोजन, प्राकृतिक क्षति और पुनर्वास सामग्री की मांग कर रहा है।

यह संबंध भारत के लिए महत्वपूर्ण है, क्योंकि चाबहार बंदरगाह परियोजना के सफल और प्रासंगिक होने के लिए अफगानिस्तान का सहयोग महत्वपूर्ण होगा। अफगानिस्तान में कई बुनियादी ढांचा परियोजनाओं, जैसे दूरसंचार, बिजली आपूर्ति आदि में भारत की भागीदारी और सहयोग को अब चीन ने बदल दिया है। चीन ने कभी भी अंतरराष्ट्रीय संगठनों, विशेष रूप से पश्चिमी देशों के चुनिंदा और सुविधाजनक अफगान बहिष्कार का सामना नहीं किया है नहीं। इसलिए, हमने तालिबान शासन को मान्यता देने की प्रक्रिया में महत्वपूर्ण वर्ष बिताए और चीन ने इसका फायदा उठाया। आज, हम इस तथ्य से आंखें नहीं मूंद सकते हैं कि तालिबान भोजन और चिकित्सा सहायता के लिए भारत से मांग रहा है, लेकिन वे प्रमुख बुनियादी ढांचा परियोजनाओं के लिए चीन की ओर रुख कर रहे हैं। हमारी सरकार को इस बात को ध्यान में रखना चाहिए कि अफगानिस्तान के साथ संबंध स्थापित करने के दौरान, इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता है कि पाकिस्तान ने पिछले कुछ महीनों में भारत से अधिक दोस्त बनाए हैं। हमें अफगानिस्तान के साथ संपर्क और सहयोग बढ़ाते रहना होगा। यह एक तरह का जुआ है, लेकिन हर देश इसे अभी अलग-अलग नजरों में खेल रहा है।

जहां नीतीश, वहीं जीत? या इस बार बदलेगा बिहार का गणित!

-सुरेश गांधी

लोकतंत्र की भूमि बिहार एक बार फिर राजनीति के रंग में रंगने को तैयार है। लोकतंत्र की यह धरती हमेशा से देश की दिशा तय करती आई है। यहां का मतदाता हर बार अपने निर्णय से दिल्ली तक की राजनीति को संदेश देता है। 2025 का यह चुनाव केवल बिहार का नहीं, बल्कि भारत के लोकतंत्र का एक नया प्रस्थान-बिंदु है। यह चुनाव बताएगा कि क्या जनता अब भी ह्लचेहरोंह्व के पीछे चलती है या ह्लविचारोंह्व के पीछे? ऐसे में बड़ा सवाल तो यही क्या शासन के अनुभव की जीत होगी या जनभावना का विस्फोट? उत्तर तो आने वाले महीनों में मिलेगा, पर एक बात तय है, बिहार की धरती पर लोकतंत्र की गूंज फिर से सबसे प्रखर स्वर में सुनाई देगी। खास यह है कि इस बार का चुनाव केवल सत्ता परिवर्तन नहीं, बल्कि राजनीतिक ध्रुवीकरण, नेतृत्व की विश्वसनीयता और जन आकांक्षा बनाम अनुभव का मुकाबला होगा। एक तरफ नीतीश कुमार हैं, दो दशकों से प्रशासन और गठबंधन की कला के धनी नेता, तो दूसरी ओर तेजस्वी यादव हैं, युवा जोश, परिवर्तन और सामाजिक न्याय की नई व्याख्या के साथ मैदान में, और तीसरे कोने पर प्रशांत किशोर हैं, जो इस बार रणनीतिकार नहीं, स्वयं एक विकल्प बनकर उभरे हैं।

फिरहाल, यह चुनाव बिहार के भविष्य की दिशा तय करेगा। क्या जनता स्थायित्व के पक्ष में जाएगी या परिवर्तन की ओर मुड़ेगी, यही असली प्रश्न है। नीतीश का अनुभव, तेजस्वी की आकांक्षा और किशोर की चुनौती, तीनों मिलकर इस बार का चुनाव लोकतंत्र का सबसे दिलचस्प पवह्व बना रहे हैं। बिहार बोलेगा, और जब बिहार बोलता है, तो दिल्ली तक उसकी गूंज सुनाई देती है। इस चुनाव में प्रशांत किशोर भी एक बड़े खिलाड़ी के रूप में उभर रहे हैं। उनकी जनसुराज यात्रा से लेकर संगठनात्मक नेटवर्क तक, सब कुछ अब इस चुनाव में पहली बार परखा जाएगा। सीमांचल में असदुद्दीन ओवैसी की एआईएमआईएम, छोटे दलों की रणनीति और प्रवासी बिहारियों का फैक्टर, इन सबने इस बार के चुनाव को असाधारण बना दिया है। त्योहारों के मौसम में होने जा रहा यह चुनाव बिहार की राजनीति का सबसे दिलचस्प मुकाबला माना जा रहा है। देखा जाएं तो बिहार की राजनीति हमेशा अप्रत्याशित रही है। यहां मतदाता नेता से ज्यादा गठबंधन को देखते हैं, नारे से ज्यादा चेहरे को परखते हैं। 2025 का यह चुनाव तीन पीढ़ियों की राजनीति का संगम है, नीतीश कुमार के अनुभव की परीक्षा, तेजस्वी यादव के नेतृत्व का अवसर, और प्रशांत किशोर के प्रयोग का परीक्षण। सीमांचल की फिजा, प्रवासियों की वापसी और त्योहारों की रौनक के बीच यह चुनाव सिर्फ राजनीतिक नहीं, बल्कि सामाजिक बदलाव की परीक्षा भी होगा। हर दल को यह समझना होगा कि बिहार का मतदाता अब वादा नहीं, विश्वास चाहता है और यही तय करेगा कि पटना की गद्दी किसके हिस्से आती है।

राजनीतिक धरातलः तीन ध्रुवों में बंटा मैदान

एनडीएः सत्ता का अनुभव और साझेदारी की परीक्षा, या यूं कहे नीतीश कुमार और भाजपा का यह गठबंधन बिहार की राजनीति का सबसे परखा हुआ फामूर्ला है। जनता दल (यू) अब भी राज्य के बड़े हिस्से में अपनी प्रशासनिक पहचान बनाए हुए है, परंतु ह्लथकानह्व और ह्लपरिवर्तन की चाहह्व का भाव जनमानस में दिखने लगा है। भाजपा इस बार ह्लसहयोगीह्व नहीं, बल्कि मुख्य साझेदार की भूमिका में आना चाहती है। उसके भीतर यह आत्मविश्वास है कि प्रधानमंत्री मोदी की लोकप्रियता के सहारे वह बिहार में 100$ सीटों का लक्ष्य हासिल कर सकती है। पर चुनौती यही है, क्या भाजपा नीतीश के ह्लजन-आकर्षणह्व को पीछे छोड़े बिना अपना वर्चस्व बढ़ा पाएगी? और क्या नीतीश, जो राजनीति के सबसे लचीले खिलाड़ी माने जाते हैं, इस बार अपनी छवि ह्लस्थायित्व के प्रतीकह्व के रूप में बचा पाएंगे?

महागठबंधनः तेजस्वी की उम्मीद, कांग्रेस की उलझन

विपक्षी खेमे में तेजस्वी यादव अब निर्विवाद चेहरा बन चुके हैं। तमाम सर्वेक्षणों में वे मुख्यमंत्री पद की रेस में नीतीश कुमार से आगे दिखाए जा रहे हैं। युवाओं और रोजगार की समस्या पर उनकी आवाज जनता को छू रही है। बदलाव की राजनीति का नारा इस बार महज भाषण नहीं, बल्कि ठोस मुद्दा बनकर उभर रहा है। हालांकि गठबंधन के भीतर कांग्रेस की सीमित भूमिका और वाम दलों की असंगति समीकरण को कमजोर बना सकती है। तेजस्वी के लिए सबसे बड़ी परीक्षा होगी, क्या वे केवल विरोधह्व की राजनीति से आगे बढ़कर विश्वसनीय शासन का भरोसा दे पाएंगे?

तीसरी दिशाः प्रशांत किशोर का प्रयोग

राजनीति में विश्लेषक के रूप में पहचान बनाने वाले प्रशांत किशोर (पीके) अब अपने ही बनाए खेल में उतर चुके हैं। उनकी जन सराज पार्टी इस बार मैदान में है, और वे खुद को न भाजपा, न राजद, बल्कि जनता के विकल्प के रूप में पेश कर रहे हैं। उनका तर्क साफ है, बिहार को नई राजनीति चाहिए, न कि पुराने चेहरों की अदला-बदली।ह्व युवाओं, पहली बार वोट देने वालों और शहरी मतदाताओं में उनकी छवि ह्लबदलाव के प्रतीकह्व के रूप में बन रही है। हालांकि अभी यह देखना शेष है कि क्या यह ऊर्जा वोटों में भी तब्दील हो पाएगी या फिर यह लहर सिर्फ चर्चा बनकर रह जाएगी।

जनता के मुद्देः वादों से आगे हकीकत

बिहार के मतदाता अब केवल जाति समीकरणों पर नहीं, बल्कि शिक्षा, रोजगार, बिजली, सड़क और स्वास्थ्य जैसे ठोस सवालों पर निर्णय कर रहे हैं। बेरोजगारी आज भी राज्य की सबसे बड़ी चुनौती है। पलायन की पीड़ा, शिक्षा की गुणवत्ता और किसानों के लिए बाजार तक पहुँच का अभाव चुनावी मुद्दों में प्रमुख हैं। महिलाओं की सुरक्षा और छात्रवृत्ति योजनाओं की पारदर्शिता भी चचार्ओं में है। प्रशासनिक तंत्र की सुस्ती और भ्रष्टाचार पर जनता अब खुलकर सवाल उठा रही है। इन सबके बीच यह चुनाव कहीं न कहीं ह्लविकास बनाम विश्वासह्व की जंग बनने जा रहा है।

वोटर लिस्ट में सुधार और नई पारदर्शिता की पहल

चुनाव आयोग ने इस बार 22 वर्षों बाद मतदाता सूची में गहन सुधार किया है। 21 लाख से अधिक नए मतदाता जोड़े गए हैं, जबकि 3.66 लाख मृत या स्थानांतरित मतदाताओं के नाम हटाए गए हैं। साथ ही 17 नई पहलकदमियाँ कृ वेबकैस्टिंग, बूथ स्तर एजेंट मॉनिटरिंग, दिव्यांगों के लिए विशेष व्यवस्था आदि कृ लागू की जा रही हैं। इससे आयोग की कोशिश स्पष्ट है कि ह्लबिहार में निष्पक्ष चुनाव की नई मिसालह्व कायम की जाए।

कौन किस पर भारी?

अगर चुनाव केवल दो ध्रुवों, एनडीए बनाम महागठबंधन के बीच सिमटा रहा, तो मुकाबला बेहद कड़ा होगा। परंतु यदि प्रशांत किशोर की पार्टी ने तीसरा मोर्चा बना लिया, तो दोनों गठबंधनों का वोट बैंक खिसक सकता है। जातीय समीकरण अब भी निर्णायक रहेंगे,यादव, कुर्मी, अति पिछड़ा, दलित और अल्पसंख्यक वोट पूरे खेल का रुख तय करेंगे। नीतीश कुमार का सुशासन ब्रांड अब कुछ फीका पड़ा है, जबकि तेजस्वी की छवि ह्यनए बिहार की आशा के रूप में उभर रही है। भाजपा के लिए प्रधानमंत्री मोदी की लोकप्रियता सबसे बड़ा हथियार है, जबकि राजद के लिए लालू ब्रांड राजनीति का भावनात्मक असर अब भी जीवित है।

सघन संघर्ष और अनिश्चित भविष्य

यह लगभग तय है कि इस बार का चुनाव इतिहास रचने वाला होगा, न केवल अपने परिणाम से, बल्कि उस संदेश से जो यह देश को देगा। यदि एनडीए बहुमत लाता है, तो इसे स्थायित्व की जीत कहा जाएगा। यदि महागठबंधन या तेजस्वी की अगुवाई में नई सरकार बनती है, तो यह परिवर्तन की पुकारह्व का प्रमाण होगी। और यदि कोई तीसरी शक्ति निर्णायक बन जाती है, तो बिहार एक बार फिर गठबंधन राजनीति के नए अध्याय की ओर बढ़ जाएगा।

एनडीए बनाम महागठबंधनः आंकड़ों में सत्ता का संतुलन

बिहार विधानसभा की कुल 243 सीटों में फिलहाल एनडीए गठबंधन के पास बहुमत है। एनडीए का संख्याबल 131 है, जिसमें भाजपा 80, जनता दल (यूनाइटेड) 45, जीतन राम मांझी की हिंदुस्तानी अवाम मोर्चा (से.) 4 और दो निर्दलीय विधायक शामिल हैं। विपक्षी महागठबंधन के पास 111 विधायक हैं। इसमें आरजेडी के 77, कांग्रेस के 19, भाकपा (माले) के 11, और सीपीआई व सीपीएम के 2-2 विधायक शामिल हैं। 2020 के चुनाव में आरजेडी 75 सीटों पर जीतकर सबसे बड़ी पार्टी बनी थी, जबकि भाजपा 74 सीटों पर रही। जनता दल (यू) 43 सीटें लेकर तीसरे स्थान पर रही थी। दिलचस्प यह कि वोट शेयर में राजद को 23.5 फीसदी और भाजपा को 19.8 फीसदी वोट मिले थे, यानी महज 3.7 फीसदी का अंतर। फिर भी सत्ता की डोर एनडीए के हाथ में रही। इसे बिहार के मतदाताओं की संतुलित राजनीति कहा जा सकता है, जहां एक दल को पूर्ण बहुमत से ज्यादा गठबंधन की संगतिह्ल मायने रखती है।

नीतीश कुमार के सामने चुनौतीः विकास बनाम थकान

नीतीश कुमार बीते दो दशकों से बिहार की राजनीति के सबसे स्थायी चेहरा हैं। उन्होंने सुशासन बाबू की छवि से राज्य को विकास की नई परिभाषा दी, लेकिन अब उनके सामने बड़ी चुनौती ह्यएंटी-इंकंबेंसी की है। शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और शराबबंदी जैसे मुद्दे बार-बार जनता के बीच उठते हैं। युवाओं में सरकारी नौकरियों की कमी और उद्योगों की अनुपस्थिति पर नाराजगी है। फिर भी नीतीश का ह्यकाम करने वाले नेताह्ल वाला नैरेटिव अब भी टिकाऊ है। उनके लिए सबसे बड़ी परीक्षा यह होगी कि क्या वे अपने पुराने वोट बैंक, अति पिछड़े, महिला मतदाता और सुशासन समर्थक वर्ग, को फिर से एकजुट रख पाएंगे?

भाजपा का मिशन 100 और वोट चोरी का विवाद

भाजपा बिहार में 100 से अधिक सीटें जीतने का लक्ष्य लेकर चल रही है। पार्टी ने इस बार संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत किया है। प्रवासी बिहारियों को साधने के लिए ह्यएक भारत श्रेष्ठ भारत अभियान चलाया जा रहा है, जिसमें 3 करोड़ से अधिक प्रवासियों का डेटा जुटाया गया है। विपक्ष भाजपा पर ह्यईवीएम में हेराफेरी और वोट चोरी के आरोप लगाता रहा है, पर पार्टी इसे पूरी तरह नकारती है। भाजपा के लिए इस चुनाव में यह चुनौती भी है कि वह इन आरोपों के बावजूद जनता के बीच अपनी विश्वसनीयता बनाए रखे और 2020 की तरह सीमित अंतर से हारने की नौबत न आने दे।

तेजस्वी यादव की अग्निपरीक्षाः ह्यजंगलराजह्ल की छाया और युवाओं की उम्मीदें

तेजस्वी यादव 2020 में 23.5 फीसदी वोट के साथ सबसे बड़ी पार्टी के नेता बनकर उभरे थे। तब उन्होंने रोजगार, किसान और शिक्षा के मुद्दों को प्रमुखता से उठाया था। इस बार भी बेरोजगारी, पलायन और सामाजिक न्याय उनके एजेंडे में सबसे ऊपर है। हालांकि, विपक्ष लगातार उनके पिता लालू प्रसाद यादव के शासन को ह्यजंगलराजह्ल कहकर घेरता है। तेजस्वी के लिए यह चुनाव उस छवि को मिटाने और खुद की ह्यनई पीढ़ी के नेताह्ल की पहचान गढ़ने का अवसर है। उनके सामने चुनौती यह भी है कि क्या वे महागठबंधन के भीतर कांग्रेस, वामदलों और छोटे घटक दलों के साथ तालमेल बनाए रख पाएंगे?

प्रशांत किशोर की जनसुराजः रणनीति से संगठन तक की परीक्षा

राजनीति के रणनीतिकार प्रशांत किशोर अब सीधे मैदान में हैं। उनकी जनसुराज यात्रा के जरिए उन्होंने पंचायत स्तर पर व्यापक नेटवर्क तैयार किया है। इस बार यह पहला मौका है जब वे किसी पार्टी की रणनीति नहीं, बल्कि खुद के विचारों और संगठन की परीक्षा में हैं। जनसुराज ने युवाओं, शिक्षकों और प्रवासियों के बीच पैठ बनाने की कोशिश की है। हालांकि, संगठनात्मक मजबूती और उम्मीदवारों की चयन प्रक्रिया अभी शुरूआती दौर में है। फिर भी, बिहार में यह एक नया प्रयोग है, जो पारंपरिक राजनीति के बीच जनसहभागिता की नई भाषा गढ़ रहा है।

सीमांचल में नया समीकरणः एआईएमआईएम की नई चाल

सीमांचल इलाका (किशनगंज, कटिहार, अररिया, पूर्णिया) हमेशा से बिहार की राजनीति में निर्णायक भूमिका निभाता रहा है। 2020 में असदुद्दीन ओवैसी की पार्टी ने यहां से 5 सीटें जीतकर सबको चैंका दिया था। लेकिन बाद में पार्टी के चार विधायक आरजेडी में शामिल हो गए। अब एआईएमआईएम ने ह्यधर्मनिरपेक्ष वोटों के बंटवारे से बचने के लिए महागठबंधन में शामिल होने की पेशकश की है। तेजस्वी यादव को पत्र लिखकर ओवैसी ने छह सीटों पर चुनाव लड़ने की इच्छा जताई है, मगर आरजेडी ने उन्हें ह्यभाजपा की बी टीम बताकर कड़ा जवाब दिया। इससे साफ है कि सीमांचल में मुस्लिम वोट बैंक इस बार निर्णायक होगा, और यह देखना दिलचस्प होगा कि ओवैसी या राजद में से कौन उसे एकजुट रख पाता है।

गठबंधन की अंदरूनी खींचतान और उम्मीदवार चयन की तैयारी

महागठबंधन की ओर से अभी सीट बंटवारे की औपचारिक घोषणा नहीं हुई है, लेकिन आरजेडी ने लगभग 60 संभावित उम्मीदवारों को चुनावी तैयारी का निर्देश दे दिया है। कांग्रेस ने भी अपने मौजूदा विधायकों को तैयार रहने को कहा है, जबकि विकासशील इंसान पार्टी (वीआईपी) और वाम दलों ने भी अपने उम्मीदवारों को हरी झंडी दे दी है। तेजस्वी यादव के एक पॉलो रोड स्थित आवास पर महागठबंधन की अहम बैठक बुलाई गई है, जिसमें सीटों की संख्या, साझा रैलियों की योजना और प्रचार रणनीति पर चर्चा होगी। यह बैठक महागठबंधन के लिए निर्णायक साबित हो सकती है।

त्योहारों के बीच चुनावः प्रवासी मतदाता बनेंगे किंगमेकर

इस बार का बिहार चुनाव दशहरा के बाद और दीपावली-छठ के बीच हो रहा है। इन त्योहारों पर लाखों प्रवासी बिहारी अपने घर लौटते हैं। यही वर्ग इस बार का निर्णायक मतदाता साबित हो सकता है। एनडीए, महागठबंधन और जनसुराज, सभी प्रवासी बिहारियों को साधने की कोशिश में जुटे हैं। भाजपा ने प्रवासियों के लिए विशेष संपर्क अभियान चलाया है, जेडीयू ने पलायन रोकने और रोजगार सृजन का रोडमैप पेश किया है। चिराग पासवान की एलजेपी (रामविलास) ने ह्यबिहार फर्स्ट, बिहारी फर्स्टह्ल नारा दिया है. वहीं, आरजेडी और कांग्रेस ने प्रवासियों के लिए रोजगार गारंटी और ह्यगांव में कामह्ल का वादा किया है। प्रशांत किशोर की जनसुराज भी यही कह रही है कृ ह्लपलायन रोको, बिहार में अवसर दो।ह्व प्रवासी मतदाताओं का यह वर्ग न सिर्फ वोटिंग पैटर्न बल्कि प्रचार की दिशा भी तय करेगा।

इन आंकड़ों से साफ है कि बिहार में गठबंधन की संगति ही सरकार की कुंजी रही है। व्यक्तिगत दल कभी भी पूर्ण बहुमत नहीं पा सके।

मुद्दे वही, स्वर बदल गए हैं

इस बार के चुनाव में मुद्दों का फोकस थोड़ा बदला है, रोजगार अब भी सबसे बड़ा सवाल है। शिक्षा और स्वास्थ्य में सुधार के वादे हर पार्टी के घोषणापत्र में होंगे। पलायन एक गहरा सामाजिक घाव है, जिसे सभी दल भुनाने की कोशिश कर रहे हैं। महिलाओं की सुरक्षा और भागीदारी को भी सभी दल अपने-अपने तरीके से साधना चाह रहे हैं। नीतीश का ह्यसात निश्चय पार्ट-2, तेजस्वी का ह्य10 लाख नौकरी मिशन, भाजपा का ह्यविकसित बिहार 2030, और जनसुराज का लोक संवाद मॉडल, ये चारों इस बार बिहार की राजनीति की नई व्याख्या तय करेंगे।

महर्षि वाल्मीकि जयंती पर भव्य कार्यक्रम

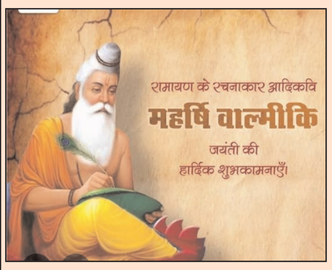

मुंबई (उत्तरशक्ति)। मानस परिवार सेवा ट्रस्ट की ओर से इस बार रामायण ग्रंथ के रचयिता त्रिकालदर्शी महर्षि वाल्मीकि जी की जयंती आज 7 अक्टूबर को चेम्बूर में श्री नागेश्वर महादेव मंदिर में सुंदरकाण्ड पाठ के साथ महा प्रसाद की व्यवस्था रखी गई है। संस्था के राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रमोदकुमार पाण्डेय ने बताया कि रामभक्तो ने अपने आराध्य के लिए लिखे हर ग्रन्थ के रचयिता को पूर्ण सम्मान देकर महापुरुषों की जीवनी को जन जन तक पहुचाने के लिए संकल्प लिया है।

अंधेरी में महाआरोग्य शिविर

मुंबई (उत्तरशक्ति)। आज की भागदौड़ की जिंदगी में लोग अपने स्वास्थ्य की ओर ध्यान नहीं दे पाते हैं। जिसके कारण उम्र के 50 साल के बाद लोगों को अनेक बीमारियों का सामना करना पड़ता है। जिसके कारण लोगों को अस्पताल का चक्कर काटना पड़ता है। ऐसे में समाज कल्याण और बढ़ती हुई बीमारियों की रोकथाम के लिए, मुंबई भाजपा सचिव अजय तिवारी द्वारा महाआरोग्य शिविर का आयोजन अंधेरी पूर्व के पंप हाउस में किया गया इस चिकित्सा शिविर में स्वास्थ संबंधित कुल २२ टेस्ट यहां की जनता के लिए निःशुल्क किया गया। बता दें कि पिछले कई सालों से सामाजिक कार्यों में अजय तिवारी बढ़चढकर हिस्सा ले रहे हैं। इस महाशिविर के आयोजन का एक मात्र उद्देश्य समाज में कोई भी वंचित न रहे सबको स्वास्थ्य सेवाएं मिल सके। सह आयोजक जसवंती चौहान ने मेडिकल आयोजन टीम का धन्यवाद व्यक्त किया। चिकित्सा शिविर के आयोजन में प्रमुख रूप से मुंबई भाजपा उपाध्यक्ष व नगरसेवक अभिजीत सामंत, इंद्रसेन उपाध्याय, प्रमोद पांडे, रवि दुबे, बाबा यादव, टी एन दुबे, जिला उपाध्यक्ष अशोक पांडेय, मंडल अध्यक्ष राखी गुप्ता, आनंद उपाध्याय, बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ अभियान के अध्यक्ष अजय दुबे, जय शंकर सिंग, दिनेश यादव व अन्य लोग उपस्थित थे। वहीं अजय चेरिटेबल ट्रस्ट की आयोजन टीम के प्रियंका मुंगेकर, कल्पना पाटणकर, गीता दरवेशी, अंकिता नवाले, मनीषा यादव, नरेंद्र शुक्ला, नीलेश दुबे, पदमाकर सिंग, पिंटू उपाध्याय, राजेश हटवार, सुनील कर्पे व अन्य लोग मौजूद रहे। इस चिकित्सा शिविर का लाभ करीब 500 लोगों ने उठाया।

गायत्री प्रजापीठ गौशाला कामतघर में नौ कुंडीय शक्ति संवर्धन महायज्ञ कार्यक्रम संपन्न

आचार्य सूरजपाल यादव/भिवंडी (उत्तरशक्ति)। विजयादशमी के पावन अवसर पर भिवंडी शहर के कामतघर स्थित गायत्री प्रजापीठ, गौशाला परिसर में नौ कुंडीय शक्ति संवर्धन महायज्ञ का आयोजन वैदिक मंत्रोच्चार के बीच श्रद्धा और उत्साह के साथ सम्पन्न हुआ। यज्ञ में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लेकर आहुतियां अर्पित कीं और वातावरण को पवित्र बनाया। गायत्री प्रजापीठ ब्रह्मवंदनीय बहनों की टोली ने कई परिवारों को जन्म दिवस, संस्कार, विद्यारंभ संस्कार कार्यक्रम को संपन्न कराया। आचार्य ने बताया कि यज्ञ परंपरा को प्राचीन विज्ञान बताते हुए कहा कि यज्ञ व्यक्ति, वातावरण और चेतना के सूक्ष्म स्तर को परिशुद्ध करता है। उन्होंने कहा कि यज्ञ नकारात्मक ऊर्जा को निष्प्रभावी कर सकारात्मक ऊर्जा का संवर्धन करता है। ईश्वर ऊर्जा का ही स्वरूप है और यज्ञ के माध्यम से हम उसी शुद्ध और जीवंत ऊर्जा के समीप पहुंचते हैं। इस अवसर पर परिव्राजिका सुषमा दीदी ने कहा कि यज्ञ की तकनीक से प्राप्त शक्ति अत्यंत शुद्ध और जीवनदायी होती है। पंचभूतों, मंत्रोच्चार और यंत्रों से उत्पन्न यह ऊर्जा जब पृथ्वी तत्व से स्पर्श करती है तो भौतिक एवं सूक्ष्म दोनों ही स्तर पर वातावरण को परिशुद्ध कर देती है। इस कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए गीता बेन पटेल, सुनीता नायक, ममता शर्मा, सहित सभी परिजन उपस्थित थे।

पेटीएम ने भारत का पहला एआई-संचालित रैप प्लेबैक पेश किया

मुंबई। पेटीएम ने एक एआई-पावर्ड अनुभव प्लेबैक पेश किया है जो पिछले महीने के खर्चों को एक पर्सनल रैप रिकैप में बदल देता है। इस यूनिक इनोवेशन के जरिए पेटीएम वित्तीय आंकड़ों को मनोरंजक और रिलेटेबल अंदाज में पेश कर रहा है। पेटीएम ऐप के बैलेंस एन्ड हिस्ट्री सेक्शन में प्लेबैक फीचर उपलब्ध है, जहां यूजर्स अपने खर्च के डेटा को कस्टम रैप वर्सेज में बदल देता है। यह रैप आपके शॉपिंग, फूड, ट्रैवल और यूटिलिटी बिल्स पर हुए खर्च को क्रिएटिव लिरिक्स के जरिए पेश करता है, जिससे हर महीने का खर्च एक मजेदार और इंटरैक्टिव अनुभव में बदल जाता है। फिलहाल यह फीचर पेटीएम के चुनिंदा हाई-ट्रांजैक्टिंग यूजर्स के लिए बीटा फेज में रोलआउट किया जा रहा है। कंपनी यूजर फीडबैक के आधार पर इसे और बेहतर बनाने की दिशा में लगातार काम कर रही है। पेटीएम प्रवक्ता ने कहा, भारत का पहला एआई-संचालित रैप हमारा प्लेबैक फीचर खर्चों की ट्रैकिंग को मजेदार बनाता है और यूजर्स को अपने मासिक खर्चों पर नए ढंग से सोचने का अवसर देता है। आज के युवा हर चीज को कंटेंट के रूप में देखते हैं, और हमने सोचा कि क्यों न उनके मासिक खर्चों के स्टेटमेंट को कुछ एंगेजिंग और रिलेटेबल बनाया जाए।

डोंबिवली पुलिस ने चोरी हुये मोबाइल लौटाये

डोंबीवली (उत्तरशक्ति)। डोंबिवली विष्णु नगर पुलिस ने 2,43,000 रुपये मूल्य के 20 मोबाइल फोन चोरी हुवे बरामद किए हैं। इनमें से 12 मोबाइल फोन की पहचान कर उन्हें शिकायतकताओं को लौटा दिए गए हैं। यह कार्रवाई पुलिस की सक्रियता और मोबाइल चोरी की घटनाओं पर अंकुश लगाने के प्रयासों को दशार्ती है।

पुलिस ने मोबाइल फोन बरामद करने के लिए शिकायतकताओं की जानकारी और तकनीकी सहायता का उपयोग किया। यह कार्रवाई न केवल मोबाइल फोन की बरामदगी में सफल रही, बल्कि इससे शिकायतकताओं को भी राहत मिली।

डोंबिवली पश्चिम स्थित विष्णु नगर पुलिस स्टेशन की सीमा में अप्रैल से अक्टूबर 2025 तक चोरी हुए मोबाइल फोन के 150 से ज्यादा मामले दर्ज किए गए। खोए और चोरी हुए मोबाइल फोन का पता ळएक्क्र पोर्टल ऐप पर लगाया जाता है। पुलिस ने इस ऐप के जरिए अब तक 126 मोबाइल फोन खोजे हैं, जिनमें से 62 मोबाइल फोन बरामद कर शिकायतकताओं को लौटा दिए गए हैं। कुछ दिन पहले 42 मोबाइल फोन जब्त करने के बाद, सोमवार को कल्याण के पुलिस उपायुक्त जोन 4 के सहायक आयुक्त सुहास हेमाडे और विष्णुनगर पुलिस स्टेशन के वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक राम चोपडे की उपस्थिति में जब्त किए गए 20 मोबाइल फोन उन नागरिकों को वापस कर दिए गए, जिन्होंने उनके खोने और चोरी होने की सूचना दी थी।

नगर परिषद व नगर पंचायत अध्यक्ष पदों का आरक्षण घोषित

◆पालघर जिले में आगामी नगर परिषद एवं नगर पंचायत चुनावों की तैयारी तेज

पालघर(उत्तरशक्ति)। आगामी स्थानीय स्वराज्य संस्थाओं के चुनावों को लेकर पालघर जिले में नगर परिषद और नगर पंचायतों के अध्यक्ष पदों के लिए आरक्षण की घोषणा कर दी गई है। जिला प्रशासन द्वारा जारी अधिसूचना के अनुसार, विभिन्न नगर परिषदों और नगर पंचायतों के अध्यक्ष पद अलग-अलग वर्गों के लिए आरक्षित किये गये हैं। नगर परिषदों के लिए घोषित आरक्षण में पालघर नगर परिषद अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) के लिए आरक्षित, डहाणू नगर परिषद सर्वसाधारण (ओपन) व जव्हार नगर परिषद सर्वसाधारण महिला (ओपन महिला) सीट घोषित किया गया है। नगर पंचायतों में वाडा नगर पंचायत सर्वसाधारण महिला (ओपन महिला), विक्रमगड नगर पंचायत अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी), मोखाडा नगर पंचायत अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) व तलासरी नगर पंचायत अन्य पिछड़ा वर्ग महिला (ओबीसी महिला) सीट घोषित की गई है। इस आरक्षण घोषणा के बाद जिले भर में राजनीतिक हलचल तेज हो गई है। संभावित उम्मीदवारों ने अपनी तैयारी शुरू कर दी है, वहीं विभिन्न सामाजिक घटक और राजनीतिक दल भी अपने-अपने वर्गों के अनुसार रणनीति बनाने में जुट गये हैं। स्थानीय नेताओं का कहना है कि आरक्षण की घोषणा से अब चुनावी समीकरण और भी स्पष्ट हो गये हैं। आने वाले दिनों में सभी नगर परिषदों व नगर पंचायतों में चुनावी गतिविधियाँ और अधिक तेज होने की संभावना है।

विधायक के हांथो सड़क कांक्रीटीकरण का भूमिपूजन

डोंबीवली (उत्तरशक्ति)। डोंबिवली पूर्व के नांदिवली भूपर परिसर में सड़कों के कंक्रीटीकरण के काम का भूमिपूजन रविवार को संपन्न हुआ। विधायक राजेश मोरे और उनके साथ शिवसेना तथा राष्ट्रवादी महायुती के पदाधिकारियों की उपस्थिति में भूमिपूजन समारोह आयोजित किया गया। राष्ट्रवादी के कल्याण ग्रामीण विधानसभा अध्यक्ष ब्रह्मा माली के अनुसरण से और पूर्व विधायक अप्पा शिंदे की मांग के अनुसार, साथ ही सांसद डॉक्टर श्रीकांत शिंदे और उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के प्रयासों से कल्याण ग्रामीण क्षेत्र के विभिन्न विकास कार्यों के लिए पाँच करोड़ रुपये की निधि को मंजूरी मिली है, ऐसी जानकारी विधायक राजेश मोरे ने दी। उसी निधि के दूसरे चरण में नांदिवली पंचानंद प्रभाग के श्मशानभूमि के रास्ते का कंक्रीटीकरण और गावदेवी मंदिर आनंदी बंगला से बामनदेव मंदिर तक सड़क के कंक्रीटीकरण के काम का शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर महायुती के पदाधिकारी बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

जेएसडब्ल्यू के वरिष्ठ विद्युत अभियंता अरविंद सिंह का सेवानिवृत्ति सम्मान समारोह संपन्न

पालघर(उत्तरशक्ति/अजीत सिंह)। जिले के बोईसर तारापुर एमआईडीसी क्षेत्र अंतर्गत स्थित जेएसडब्ल्यू स्टील लिमिटेड में कार्यरत वरिष्ठ विद्युत अभियंता अरविंद सिंह का सेवानिवृत्ति सम्मान समारोह बड़े ही हर्ष और भावुक माहौल में संपन्न हुआ। अरविंद सिंह ने 30 सितम्बर 2025 को अपने दीर्घ 30 वर्ष के सफल कार्यकाल के पश्चात सेवानिवृत्ति ग्रहण की।

कंपनी परिसर में आयोजित इस समारोह में वरिष्ठ एचआर हेड विपिन सिंह, संजय सर, अतुल सर, विजेंद्र सर, धर्मेश सर सहित सभी सहकर्मियों ने अरविंद सिंह को शॉल, नारियल और मोमेंटो भेंट कर सम्मानित किया। परिवार की उपस्थिति में आयोजित यह समारोह सभी के लिए अत्यंत स्मरणीय व भावनात्मक क्षण बन गया। बतादें कि धनबाद (झारखंड) निवासी अरविंद सिंह ने वहीं से 12वीं तक की शिक्षा प्राप्त करने के बाद आईटीआई इलेक्ट्रिकल ट्रेड में प्रशिक्षण लिया। तत्पश्चात उन्होंने दिल्ली स्थित एशिया इंजीनियरिंग इंस्टीट्यूट से टीवी एवं वीसीआर रिपेयरिंग में डिप्लोमा पूरा किया। उन्होंने अपने व्यावसायिक जीवन की शुरूआत बेलटेक सर्विस सेंटर से की, जहाँ एक वर्ष कार्य करने के बाद भूषण स्टील, साहिबाबाद (गाजियाबाद) में दो वर्षों तक सेवाएँ दीं। वर्ष 1995 में मात्र 27 वर्ष की आयु में उन्होंने जिंदल स्टील लिमिटेड (वर्तमान जेएसडब्ल्यू) में प्रवेश किया और तब से लेकर सेवानिवृत्ति तक निरंतर अपनी निष्ठा, परिश्रम और ईमानदारी से कंपनी की सेवा की। अपने कार्यकाल के दौरान अरविंद सिंह ने न केवल तकनीकी दक्षता के माध्यम से संगठन को नई ऊँचाइयाँ दिलाईं, बल्कि अपने सहयोगियों के बीच एक अनुकरणीय और प्रेरणादायी व्यक्तित्व के रूप में पहचान बनाई। सेवानिवृत्ति के अवसर पर अरविंद सिंह ने भावुक शब्दों में कहा कि ह्लकंपनी और यहाँ के सभी लोग मेरे परिवार की तरह हैं। मुझे जो सम्मान, सहयोग और अवसर यहाँ मिला, वह मेरी कल्पना से कहीं अधिक है। यह पल मेरे जीवन का सबसे यादगार क्षण रहेगा।ह्व समारोह के दौरान सहकर्मियों ने उनके योगदान और सादगीपूर्ण व्यक्तित्व की सराहना करते हुए उनके नए जीवन के अध्याय के लिए शुभकामनाएं दीं।

मीरा भायंदर में पानी की गंभीर समस्या को लेकर एड रवि व्यास ने उठाई आवाज

भायंदर (उत्तरशक्ति)। मीरा भायंदर शहर में दिन प्रतिदिन जलापूर्ति की बढ़ती समस्याओं को देखते हुए भाजपा के पूर्व जिलाध्यक्ष एडवोकेट रवि व्यास ने महापालिका आयुक्त को पत्र लिखकर तत्काल इस गंभीर समस्या से नागरिकों को निजात दिलाने की मांग की है। आयुक्त को लिखे पत्र में उन्होंने कहा है कि शहर के लोग सड़कों पर गड्ढों और भ्रष्टाचार को कुछ सीमा तक सहन कर सकते हैं परंतु पानी के बिना उनके जीवन का निर्वाह संभव नहीं है। उन्होंने कहा कि किसी-किसी इलाके में तो 60 से 70 घंटे तक पानी नहीं आता ऐसे में उस इलाके के लोग किस तरह जीवन निर्वाह कर सकते हैं? एड. व्यास ने कहा कि हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि पानी हमारे जीवन के लिए सबसे बड़ी मूलभूत आवश्यकता है। नागरिकों द्वारा प्राप्त शिकायत के अनुसार महानगरपालिका जलापूर्ति विभाग आए दिन शटडाउन अथवा दुरुस्ती का काम शुरू है, का मैसेज भेज कर पल्ला झाड़ने का प्रयास कर रही है। परंतु इससे नागरिकों को बेहद परेशानी का सामना करना पड़ रहा है और उनकी समस्याएं जस की तस बनी हुई हैं। उन्होंने कहा कि लोगों को पानी की समस्या से छुटकारा मिले इसके लिए आयुक्त एमआईडीसी, एमटीईएम तथा एमबीएमसी जलापूर्ति विभाग के अधिकारियों के साथ तत्काल बैठक कर इस पानी की समस्या से लोगों को मुक्ति दिलाए। उन्होंने कहा कि समस्या के निराकरण के लिए स्थानीय विधायक तथा संबंधित मंत्री का समावेश कर जल समस्या से निराकरण का प्रयास किया जाना चाहिए।

सार्वजनिक नवरात्रोत्सव मंडल डीजे वाड़ी द्वारा भारी मन से हुई मां दुर्गा की विदाई

पालघर(उत्तरशक्ति)। जिले के बोईसर शहर (प.) अंतर्गत धर्म नगरी आजाद नगर स्थित सार्वजनिक नवरात्रोत्सव मंडल, डीजे वाड़ी में दस दिवसीय शारदीय नवरात्रोत्सव का समापन विजयदशमी (दशहरा) के पावन अवसर पर मां दुर्गा की भावपूर्ण विदाई के साथ हुआ। भक्तिमय माहौल में माता रानी की पूजा-अर्चना कर आयोजकों ने पूजन में हुई किसी भी त्रुटि के लिए क्षमा याचना करते हुए देर शाम मां की प्रतिमा को नम आंखों से विदा किया। आयोजन प्रमुख राकेश पांडेय व संदीप जोशी ने बताया कि यह मंडल पिछले चार वर्षों से लगातार नवरात्रोत्सव का भव्य आयोजन कर रहा है। घटस्थापना से लेकर नवमी तक पूरे दस दिनों तक क्षेत्र में श्रद्धा, भक्ति और आस्था का अद्भुत संगम देखने को मिला। इस दौरान प्रतिदिन मां जगदंबा की आरती, भजन-संध्या, संकीर्तन और सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया, जिनमें बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए।

भक्तों ने मां के दरबार में हाजिरी लगाकर दर्शन व पूजन का सौभाग्य प्राप्त किया। कार्यक्रम स्थल पर पूरे नवरात्र के दौरान भक्ति गीतों और जयकारों की गूंज से वातावरण पूरी तरह मां मयी और आध्यात्मिक बना रहा। विजयदशमी के अवसर पर माता की विदाई के दौरान श्रद्धालु भावुक हो उठे। सभी ने अगले बरस तू जल्दी आ मांस्न के जयघोष के साथ मां की प्रतिमा को विदा किया।

एसआरसीसी चिल्ड्रेन्स हॉस्पिटल, मैनेज्ड बाय नारायणा हेल्थ, मुंबई, ने सेरेब्रल पाल्सी सेंटर ऑफ एक्सीलेंस लॉन्च किया

मुंबई। एसआरसीसी चिल्ड्रन हॉस्पिटल, मैनेज्ड बाय नारायणा हेल्थ, मुंबई ने डॉ. पी. के. मुल्लाफिरोज मेमोरियल सेंटर फॉर सेरेब्रल पाल्सी का शुभारंभ किया है। यह केंद्र मुंबई की पहली महिला ऑर्थोपेडिक सर्जन, स्वर्गीय डॉ. पेरिन कवसजी मुल्लाफिरोज की स्मृति में स्थापित किया गया है, जिन्होंने अपना पूरा जीवन सेरेब्रल पाल्सी से पीड़ित बच्चों की सेवा को समर्पित कर दिया। यह देश का पहला ऐसा विशेष केंद्र है जो सेरेब्रल पाल्सी और अन्य न्यूरोमस्कुलर विकारों से प्रभावित बच्चों और युवाओं को एक ही छत के नीचे समग्र, संवेदनशील और बहुआयामी देखभाल प्रदान करेगा।

यह नया केंद्र एसआरसीसी चिल्ड्रन हॉस्पिटल, मैनेज्ड बाय नारायणा हेल्थ, मुंबई के परिसर में स्थित है और लंबे समय तक चलने वाले इलाज तथा पुनर्वास की कमी को दूर करने का प्रयास है। यहाँ बच्चों की जरूरतों के अनुरूप चिकित्सा, सामाजिक और पुनर्वास सेवाएँ एकीकृत रूप में उपलब्ध कराई जाएँगी। इसके साथ ही यह सुविधा हर वर्ग के परिवारों के लिए सुलभ और किफायती होगी, ताकि किसी भी परिवार को आर्थिक कारणों से इलाज से वंचित न रहना पड़े। डॉ. पेरिन कवसजी मुल्लाफिरोज भारत की अग्रणी महिला ऑर्थोपेडिक सर्जनों में से एक थीं और उन्हें मुंबई की पहली महिला ऑर्थोपेडिक विशेषज्ञ के रूप में जाना जाता है। उन्होंने अपना पूरा जीवन दिव्यांग बच्चों – विशेषकर सेरेब्रल पाल्सी और इससे जुड़ी विकलांगताओं से पीड़ित बच्चों – की सेवा के लिए समर्पित किया। वह चिल्ड्रन ऑर्थोपेडिक हॉस्पिटल की ऑर्थोपेडिक सर्जन और मेडिकल डायरेक्टर थीं, जहाँ आज एसआरसीसी चिल्ड्रन हॉस्पिटल, मैनेज्ड बाय नारायणा हेल्थ, मुंबई, स्थित है।उनकी निष्ठा और चिकित्सा विशेषज्ञता के कारण यह अस्पताल राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रसिद्ध हुआ। सेरेब्रल पाल्सी के उपचार में नई तकनीकों की शुरूआत करने का श्रेय भी उन्हें जाता है। वर्ष 1963 में उन्होंने सेरेब्रल पाल्सी यूनिट की स्थापना एक विशेष परियोजना के रूप में की थी, जिसमें विभिन्न चिकित्सा क्षेत्रों के विशेषज्ञों को साथ लाया गया। नए शुरू किए गए डॉ. पी. के. मुल्लाफिरोज मेमोरियल सेंटर में ऑर्थोपेडिक्स, न्यूरोलॉजी, फिजियोथेरेपी, ऑक्यूपेशनल थेरेपी, स्पीच थेरेपी, डेवलपमेंटल पीडियाट्रिक्स, साइकोलॉजी और सोशल वर्क जैसे विभिन्न क्षेत्रों के विशेषज्ञ एक साथ मिलकर कार्य करेंगे।

जी एम मोमिन विमेंस कालेज स्टडी सेंटर में एम ए उर्दू के छात्रों के लिए काउन्सिलिंग क्लास का उद्घाटन समारोह सम्पन्न

भिवंडी (उत्तरशक्ति)। यशवंतराव चव्हाण महाराष्ट्र ओपन यूनिवर्सिटी नासिक द्वारा संचालित जी एम मोमिन विमेंस कालेज अध्ययन केंद्र भिवंडी के एम ए उर्दू प्रथम एवं द्वितीय वर्ष के छात्रों के काउंसिलिंग क्लास का उदघाटन समारोह संपन्न हुआ। इस समारोह की अध्यक्षता रईस जूनियर कालेज भिवंडी के प्राचार्य जियाउर्रहमान अंसारी ने किया। इस अवसर पर सेंटर के समन्वयक अब्दुल अजीज अंसारी, मार्गदर्शक शिक्षक डा. मती उल्लाह खान, डा. कुतुबुद्दीन शाहिद खान जाकिर हुसैन खान जफर आलम जामयी, हाशमी सय्यद एजाज जवेरिया काजी और सूफिया मोमिन सहित एम ए उर्दू प्रथम एवं द्वितीय वर्ष के सभी छात्र उपस्थित थे। प्रिंसिपल जियाउर्रहमान अंसारी ने अपने अध्यक्षीय भाषण में कहा कि परीक्षा पास कर सिर्फ प्रमाण पत्र प्राप्त करना ही छात्रों का उद्देश्य नहीं होना चाहिए बल्कि अपनी काबिलियत को बढ़ाना और व्यावहारिक जीवन में उपयोग वास्तविक उद्देश्य होना चाहिए। उन्होंने आशा व्यक्त की कि मास्टर डिग्री हासिल करने के बाद छात्र उसे अपने व्यवहार का हिस्सा बनाएंगे और भिवंडी शहर या अन्य शहरों में होने वाली उर्दू की महफिलों में अपनी सहभागिता दर्ज कराएंगे। स्टडी सेंटर के संयोजक अब्दुल अजीज अंसारी ने एम ए द्वितीय वर्ष के बेहतरीन परीक्षाफल की रिपोर्ट प्रस्तुत करते हुए मार्गदर्शक शिक्षकों का स्वागत किया। शिक्षकों ने छात्रों के समक्ष अपने विचार रखे। छात्रों में खान अशरफ, जावेद अमीन खान, रुकय्या खान, निदा शकील और मुबश्शिरा ने भी अपने अनुभव साझा किए। शिक्षक जफर आलम खान ने सूत्र संचालन किया और आभार प्रदर्शन की जिम्मेदारी भी निभाई। कार्यक्रम के आयोजन में तहूर मोमिन और शिक्षकों व कर्मचारियों का विशेष योगदान रहा है।

ट्रेन से गिरने से युवक की मौत, राष्ट्रीय हिन्दू सेवा संघ के माध्यम से हुआ अंतिम संस्कार

पालघर(उत्तरशक्ति)। जिले के बोईसर रेलवे स्टेशन के पास गुरुवार 2 अक्टूबर को एक दर्दनाक हादसे में ट्रेन से गिरकर एक युवक की मौत हो गई। मृतक की पहचान उत्तर प्रदेश के गाजीपुर निवासी ललन जगदीश के रूप में हुई है। हादसे के बाद बोईसर रेलवे पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए तारापुर अस्पताल में भेजा था।

प्राप्त जानकारी के अनुसार मृतक का पोस्टमार्टम के बाद भी तीन दिनों तक शव अस्पताल में ही रखा रहा। जब यह बात मृतक के परिजनों को पता चली, तो वे पुणे (महाराष्ट्र) से बोईसर पहुंचे। बोईसर आने के बाद परिजनों ने राष्ट्रीय हिन्दू सेवा संघ के पदाधिकारियों से संपर्क साधा और अंतिम संस्कार में सहायता की विनती की। संघ के पदाधिकारियों ने तुरंत मानवीयता दिखाते हुए लकड़ी व अन्य आवश्यक सामग्री की व्यवस्था की। तत्पश्चात तारापुर अस्पताल से शव को एम्बुलेंस द्वारा पास्थल श्मशान भूमि लाया गया, जहाँ हिन्दू रीति-रिवाजों के अनुसार मृतक का अंतिम संस्कार किया गया। इस सेवा कार्य में संघ के कार्यकताओं ने मृतक के परिजनों के साथ मिलकर पूरा सहयोग दिया। समाजसेवा और मानवीय भावना का यह उदाहरण देखकर स्थानीय लोगों ने राष्ट्रीय हिन्दू सेवा संघ की प्रशंसा की।

उत्तरशक्ति
* संपादकः ओमप्रकाश प्रजापति
* उप संपादकः प्रेम चंद मिश्रा
*प्रबंध संपादकः डा. शेषधर बिन्द
उपरोक्त सभी पद अवैतनिक है।
पत्राचार कार्यालय:
उत्तरशक्ति (हिंदी दैनिक)
मुंबई-पुणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5, ए-337 ट्रक टर्मिनल डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल ऑटाप हिल वडाला, मुंबई-37
मो.- 9554493941
email ID- uttarshaktinews@gmail.com

स्वामी: शरद फागुराम प्रजापति, प्रकाशक, मुद्रक व संपादक ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, यूनिट क्रमांक 4, तल मजला, एन.के. इंडस्ट्रियल स्टेट, आरे रोड, प्रवासी इंडस्ट्रियल स्टेट, जवल, गेट क्रमांक 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई-400063, महाराष्ट्र से मुदित एवं के-4, रूम नं. 8, ग्राउंड फ्लोर न्यू समता सहकारी को.ऑ. हां. सोसाइटी, एमएमआरडीए कॉलोनी कंजुरमार्ग (वेस्ट), जिला मुंबई- 400078, महाराष्ट्र से प्रकाशित। RNI NO. MAHHIN/2018/76092 * संपादक- ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति, समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के लिए उत्तरदाई तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद मुंबई न्यायालय के अधीन होंगे।
पत्राचार कार्यालय: मुंबई-पुणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5 ए-337 ट्रैक टर्मिनल, डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल, ऑटाप हिल, वडाला मुंबई -37, मो.- 9554493941 email ID- uttarshaktinews@gmail.com

संदिग्ध ड्रोन उड़ाने वाला युवक गिरफ्तार, ड्रोन व रिमोट बरामद

जनता में भय फैलाने की कोशिश, पुलिस ने की तत्काल कार्रवाई

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। थाना मड़ियाहूँ पुलिस ने रविवार को संदिग्ध रूप से उड़ रहे एक ड्रोन की सूचना पर तत्परता दिखाते हुए मौके पर पहुंचकर एक युवक को गिरफ्तार कर लिया। यह कार्रवाई पुलिस अधीक्षक जौनपुर के निर्देशन में की गई।

जानकारी के अनुसार, उपनिरीक्षक नान्हू यादव को सूचना मिली कि ग्राम शीतलगंज के पास एक संदिग्ध ड्रोन जैसी वस्तु उड़ती देखी गई है। सूचना मिलते ही पुलिस टीम तत्काल मौके पर पहुंची और संदिग्ध ड्रोन को अपने कब्जे में लिया। मौके से प्रियाशू चौरसिया पुत्र महेश चौरसिया निवासी शीतलगंज थाना मड़ियाहूँ को हिरासत में लिया गया। पूछताछ में उसने बताया कि उसने यह ड्रोन मुम्बई से 5000 रुपये में खरीदा था और मनोरंजन के लिए उड़ा रहा था।

हालांकि, ड्रोन उड़ने से आसपास के लोगों में भय और भ्रम की स्थिति उत्पन्न हो गई थी। पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए मु0अ0सं0 456/25 धारा 353(1) बीएनएस के तहत मुकदमा दर्ज कर आवश्यक विधिक कार्रवाई की।

पुलिस ने कहा कि इस तरह की संदिग्ध गतिविधियों पर सतर्क निगरानी रखी जा रही है ताकि किसी भी प्रकार की अफवाह या असुरक्षा की स्थिति उत्पन्न न हो।

नगर निगम और विद्युत विभाग को समन्वय बनाकर कार्य करने के निर्देश

नगर विकास मंत्री ने की विभागीय समीक्षा

वाराणसी(उत्तरशक्ति)। जनपद के नगर विकास मंत्री एके शर्मा ने रविवार को सर्किट हाउस में नगर निगम की विभागीय समीक्षा बैठक की। बैठक में शहर की साफ-सफाई, विद्युत सुरक्षा, जल निकासी, संचारी रोग नियंत्रण और नागरिक सुविधाओं से संबंधित विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई। नगर विकास मंत्री ने हाल ही में करंट लगने से एक व्यक्ति की हुई मौत

पर गहरी संवेदना व्यक्त की और इस घटना को गंभीरता से लेते हुए नगर निगम और विद्युत विभाग के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि शहर में खुले विद्युत बॉक्स तत्काल बंद किए जाएं ताकि भविष्य में ऐसी कोई दुर्घटना न हो। इस दौरान पूर्वांचल विद्युत वितरण निगम के प्रबंध निदेशक और नगर आयुक्त अक्षत वर्मा को आपसी तालमेल से कार्य करने के लिए निर्देशित किया गया। बैठक में महापौर अशोक कुमार तिवारी की उपस्थिति में नगर आयुक्त अक्षत वर्मा ने विभागीय प्रस्तुतीकरण दिया। उन्होंने बताया कि 1 से 17 सितंबर तक विशेष सफाई अभियान चलाकर कई जीरो वेस्ट पॉइंट्स को समाप्त कर सौंदर्यीकरण कराया गया है। इसके साथ ही 156 घंटे का विशेष सफाई अभियान भी चलाया गया। नगर आयुक्त ने बताया कि नगर निगम के आलोक विभाग में केवल दो ओवरसियर हैं, जिससे कार्य में कठिनाई आ रही है। पूर्वांचल विद्युत निगम के प्रबंध निदेशक ने ट्रांसफर स्टेशन के लिए भूमि की आवश्यकता बताई, जिस पर नगर आयुक्त ने कहा कि बिजली विभाग द्वारा भूमि चयन के बाद नगर निगम उसे उपलब्ध कराएगा। प्रस्तुतीकरण के दौरान डोर-टू-डोर कूड़ा कलेक्शन, बीट मैप ऐप निर्माण और 3डी डिजिटल मैप के जरिए बीट निर्धारण की प्रक्रिया की जानकारी दी गई। वर्तमान में छह मॉडल वार्डों में सभी सुविधाएं प्रदान की जा रही हैं। इनमें कुल 141 मोहल्ले शामिल हैं, जिनमें से 36 मोहल्लों को 2 अक्टूबर को मॉडल मोहल्ले घोषित किया गया, जहां 100% कूड़ा संग्रहण और स्रोत पर पृथक्करण किया जा रहा है। उन्होंने निर्देश दिए कि सभी अधिकारी एवं कर्मचारी सुबह अपने निर्धारित क्षेत्रों में जाकर निरीक्षण करें और नागरिक शिकायतों का तत्काल निस्तारण सुनिश्चित करें। उन्होंने बारिश के बाद संभावित जलभराव और संचारी रोगों के प्रसार को देखते हुए सभी अधिकारियों को अलर्ट रहने के निर्देश दिए। महापौर ने चितईपुर और आखरी बाईपास हाईवे क्षेत्र में जल निकासी की समस्या का मुद्दा उठाया। इस पर मंत्री ने लोक निर्माण विभाग से समन्वय बनाकर समाधान का आश्वासन दिया। बैठक में मिशन शक्ति अभियान के अंतर्गत 10 महिला सफाई कर्मियों को सुरक्षा किट प्रदान कर सम्मानित किया गया। बैठक में पूर्वांचल विद्युत निगम के प्रबंध निदेशक, अपर नगर आयुक्त सविता यादव, संयुक्त नगर आयुक्त संगम लाल, जितेंद्र कुमार, डॉक्टर एसके चौधरी सहित अनेक अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

तमसा नदी किनारे शव मिलने से सनसनी

आजमगढ़, (उत्तरशक्ति)। जिले के शहर कोतवाली के कालीचौरा इलाके के तमसा नदी के पचपेड़वा घाट के पास रविवार की सुबह एक ट्रक चालक का शव मिलने से इलाके में सनसनी मच गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लिया और घटना की जांच पड़ताल में जुट गई है। जानकारी के अनुसार मृतक सुरेंद्र यादव (32 वर्ष) बिलरियागंज थाना क्षेत्र के भीमबर के रहने वाले थे और मुंबई में ट्रक चलाते थे। उनका पत्नी से विवाद चल रहा था और वह पिछले तीन-चार महीनों से तनाव में रहते हुए घर छोड़कर रिश्तेदारी में रह रहे थे। परिजनों के मुताबिक उनके दो बच्चे हैं और उन्होंने मकान बनाने के लिए लोन लिया था।

दो पक्षों में मारपीट, नीम के पेड़ से बांधकर पीटा

दिनेश कुमार विश्वकर्मा

बरसठी, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। थाना बरसठी क्षेत्र के ग्राम सहरमा में दो पक्षों के बीच हुई कहासुनी हिंसक संघर्ष में बदल गई। पीड़ित पक्ष ने आरोप लगाया कि विपरीत पक्ष ने उन्हें पकड़कर नीम के पेड़ से बांधकर बेरहमी से पीटा, जिससे गंभीर चोटें आईं। पीड़ित ने मामले में थाना बरसठी में एफआईआर दर्ज करायी है जिसका एफआईआर संख्या 0211/2025 है और न्याय की गुहार लगाई है।

ग्राम सहरमा निवासी आनंद कुमार गौतम पुत्र मंगेश कुमार गौतम ने बताया कि 2 अक्टूबर 2025 को सुबह लगभग 12 बजे उनके छोटे भाई प्रितम और शुभम दो बोरी धान लेकर दराने जा रहे थे। तभी ग्राम पपरावन निवासी विपिन सिंह पुत्र विनय सिंह और एक अज्ञात व्यक्ति ने रास्ते में रोककर गाली-गलौज की और विरोध करने पर मारपीट की।

पीड़ित पक्ष ने लगाई न्याय की गुहार, मुकदमा पंजीकृत

पीड़ित के अनुसार, जब दोनों भाई रोते हुए घर पहुंचे तो उन्होंने अपने पिता और बड़े पिता के साथ विपिन सिंह के घर शिकायत करने गए। वहां विपिन सिंह के पिता ने उन्हें अगले दिन आने को कहा। अगले दिन जब पूछताछ के लिए गए तो विपिन सिंह ने जातिसूचक शब्दों का प्रयोग करते हुए हमला किया और लाठी-डंडे से पीटा।

इस मारपीट में शामिल थेः नितिन सिंह पुत्र विनय सिंह, सत्यम सिंह, उपेंद्र सिंह, अनुज सिंह पुत्र अशोक सिंह और अशोक सिंह पुत्र शंभुनाथ सिंह। आरोप है कि पीड़ित पक्ष को नीम के पेड़ से बांधकर बेरहमी से मारा गया। सूचना मिलने पर 112 पुलिस मौके पर पहुंची और पीड़ितों को पेड़ से छुड़ाकर थाना बरसठी लाया।

भाजपा नेता का पुलिस से झड़प, रात भर थाने में बिताए नेता जी

विशाल सोनी

शाहगंज,जौनपुर(उत्तरशक्ति)। एक शोसल मीडिया पर पूजा पंडालों के शोभायात्रा के समर्थन में पोस्ट करना नेता जी को भारी पड़ गया। बताया जाता है की शनिवार की की रात नगर में दुर्गा पूजा पंडालों के आयोजकों ने मां दुर्गा की शोभायात्रा निकाला था। जिसमे अच्छे खासे लोगों की भीड़ भी जुटी। पुलिस मुस्तैदी से सुरक्षा व्यवस्था बनाने लगी हुई थी। नगर के कलेक्टर गंज में पहुंची एक शोभायात्रा के दौरान पुलिस और कुछ युवकों से किसी बात को लेकर झड़प हो गयी। बताया जाता है की इस दौरान मौजूद पुलिस ने युवकों को लाठी से पीट कर भीड़ को तीतर बीतर किया।

इसी मामले को लेकर संघ से जुड़े एक भाजपा नेता ने पुलिस

सुबह मुचलके पर बाहर हुए, चचाओं का बाजार गर्म

वालों से जमकर झड़प हो गयी। बात बढ़ती देख कोतवाली पुलिस उक्त भाजपा नेता को हिरासत में लेकर थाने ले आई और सुसंगत धाराओ में केस दर्ज कर दिया।और रात भर थाने पर बैठाए रखा। बतातें हैं की इसी मामले देर रात सीओ भी कोतवाली पहुंचे और एक नामचीन हस्ती भी थाने पहुंच गए लेकिन बाद बनी नही।

रविवार की सुबह नेता जी के अधिवक्ताओं ने थाने पर पहुंच कर मुचलके पर जमानत लेकर बाहर ले आये। जैसे ही उक्त मामले की जानकारी लोगों को हुई तो पूरे नगर में तरह तरह की चचाओं का बाजार गर्म हो गया।

वहीं इस सम्बंध में पूछे जाने पर प्रभारी निरीक्षक ने गोलमोल जवाब देते हुए कहा की कुछ नही बस हल्की सी कहा सुनी हुई थी।कोई केस दर्ज नही किया गया है। जबकि पुलिस सूत्रों की माने तो तीन धाराओ में केस दर्ज किया गया है।

लायंस क्लब जौनपुर रॉयल ने किया फ्री हेल्थ चेकअप व वैक्सीनेशन कैंप का आयोजन

अभिताश गुप्ता

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। लायंस क्लब जौनपुर रॉयल द्वारा रामदासपुर नेवादा गांव में एक फ्री

क्लब जौनपुर रॉयल ने आयोजित किया फ्री हेल्थ चेकअप व वैक्सीनेशन कैंप लायंस सेवा सप्ताह के अंतर्गत दूसरे दिन लायंस हेल्थ चेकअप व वैक्सीनेशन कैम्प का आयोजन किया गया।

इस अवसर पर क्लब अध्यक्ष संजीव साहू ने कहा ऐसे कैम्प का आयोजन ग्रामीण क्षेत्रों में करने से इसका फायदा अधिक से अधिक लोगों को पहुंचाया जा सकता है।

कैम्प के माध्यम से कुल 53 स्त्री, पुरुष व बच्चे लाभान्वित हुए सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारी सुनैना मौर्य सहित उनकी पूरी टीम ने पूरा सहयोग किया इस अवसर पर निवर्तमान अध्यक्ष मधुसूदन बैंकर, अजय सोनकर आशीष गुप्ता विष्णु गौड़ राजेश किशोर श्रीवास्तव, आनन्द साहू इत्यादि प्रमुख रूप से उपस्थित रहे सभी के प्रति धन्यवाद सचिव बालकृष्ण साहू ने व्यक्त किया।

शाहगंज में अल-जेब बाल एवं महिला अस्पताल का हुआ भव्य उद्घाटन

महिलाओं और बच्चों को मिलेगी अत्याधुनिक चिकित्सा सुविधा

शाहगंज,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। शहर में मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य सेवाओं को नई दिशा देने के उद्देश्य से रविवार को पुरानी घास मंडी रोड

स्थित अल-जेब बाल एवं महिला अस्पताल का भव्य उद्घाटन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ गुरैनी मदरसे के मौलाना मुफ़्ती अहमद शमीम ने फीता काटकर किया।

उद्घाटन समारोह में अस्पताल के प्रबंध निदेशक एवं शिशु रोग विशेषज्ञ डॉ. अल्ताफ अहमद ने बताया कि ग्रामीण और अर्धशहरी क्षेत्रों में गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सुविधाओं की आवश्यकता लंबे समय से महसूस की जा रही थी। अल-जेब अस्पताल इस दिशा में एक सशक्त पहल है, जहां बच्चों और महिलाओं को आधुनिक उपकरणों एवं विशेषज्ञ चिकित्सकों की देखरेख में सर्वोत्तम चिकित्सा सेवाएं प्रदान की जाएंगी।

अस्पताल की सह-प्रबंध निदेशक एवं स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ. जेबा फखरुद्दीन ने कहा कि अल-जेब हॉस्पिटल का उद्देश्य शाहगंज ही नहीं, बल्कि आसपास के क्षेत्रों के लोगों को किफायती दरों पर उन्नत चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराना है। अस्पताल में अत्याधुनिक नवजात शिशु गहन चिकित्सा इकाई (ठक्छव), महिला प्रसूति वार्ड, पैथोलॉजी लैब तथा 24 घंटे इमरजेंसी सेवा जैसी सुविधाएं उपलब्ध कराई गई हैं।

उद्घाटन अवसर पर क्षेत्र के प्रतिष्ठित चिकित्सक डॉ.एस.एल. गुप्ता, डॉ.अभिषेक रावत, डॉ.अनवर खान, डॉ.अबू फैसल, डॉ.जैद अहमद, डॉ.सलमान, डॉ.अजीत कपूर, पूर्व प्रमुख अनवर आलम, समाजसेवी विनोद जायसवाल, एडवोकेट कुसुम सिंह, मन्नान अहमद, अमान महताब, डॉ.फखरुद्दीन, साद आलम, मो.साकिब तथा मौलाना मतिउद्दीन शाहबाज अहमद सहित अन्य अतिथि प्रमुख रूप से उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में अस्पताल के प्रबंध निदेशक डॉ.अल्ताफ अहमद ने आगंतुकों का आभार व्यक्त किया।

झिगुंरीया गांव में अधेड़ ने फांसी लगाकर दी जान

परिवार में कोहराम, गांव में मातम का माहौल

दिनेश विश्वकर्मा

बरसठी,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। बरसठी थाना क्षेत्र के झिगुंरीया गांव में सोमवार की सुबह उस समय सनसनी फैल गई जब गांव निवासी 35 वर्षीय बालमुकुंद पुत्र राजकुमार हरिजन का शव उनके कमरे में फांसी के फंदे से लटकता मिला।

सुबह जब घरवालों ने काफी देर तक दरवाजा नहीं खुलते देखा तो उन्होंने झांककर देखा अंदर बालमुकुंद फंदे से झूल रहे थे। यह दृश्य देखकर घरवालों की चीख निकल पड़ी। घटना की सूचना मिलते ही बरसठी थाना पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने शव को नीचे उतरवाकर पंचनामा भर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। खबर फैलते ही पूरे गांव में मातम छा गया और लोगों की भीड़ उमड़ पड़ी।

परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। गांव वालों के मुताबिक बालमुकुंद स्वभाव से शांत और मेहनती व्यक्ति थे। वह मुंबई में रहकर मजदूरी कर परिवार का पालन-पोषण करते थे। कुछ दिनों से वह मानसिक रूप से परेशान दिख रहे थे, पर उन्होंने किसी से अपनी तकलीफ साझा नहीं की।

थानाध्यक्ष बरसठी ने बताया कि आत्महत्या के कारणों का अभी तक पता नहीं चल सका है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही आगे की कार्रवाई की जाएगी। पुलिस हर पहलू से जांच कर रही है ताकि मौत के सही कारणों का पता लगाया जा सके।

जानकारी के अनुसार मृतक बालमुकुंद की पत्नी का नाम सुनीता देवी है। उनके तीन बच्चे हैं– बेटा भददू (6 वर्ष), बेटियां अंशीका (12 वर्ष) और पारुल (8 वर्ष)। बताया गया कि वह करीब 15 दिन पहले मुंबई से गांव लौटे थे। बीती रात तेरहवीं का भोजन करके वह घर आए और अपने कमरे में अकेले सो गए थे, जबकि उनकी पत्नी और बच्चे बगल के कमरे में सो रहे थे। इस दुखद घटना से पूरे गांव में शोक की लहर दौड़ गई है। हर कोई स्तब्ध है और एक ही सवाल पूछ रहा है ' आखिर बालमुकुंद ने ऐसा कदम क्यों उठाया।

तेजस्वी किसान मार्ट ने आयोजित किया वर्चुअल प्रशिक्षण कार्यक्रम

सुल्तानपुर (उत्तरशक्ति)। तेजस्वी किसान मार्ट के तत्वावधान में 'प्राकृतिक खेती एवं जैविक कृषि' विषय पर एक वर्चुअल प्रशिक्षण कार्यक्रम का सफल आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम गूगल मीट मंच के माध्यम से आयोजित किया गया। जिसमें प्रदेश भर से किसानों और किसान उत्पादक संगठनों (एफपीओ) ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता ई.प्रकाश पाण्डेय, संस्थापक एवं अध्यक्ष, तेजस्वी किसान मार्ट ने की। उन्होंने अपने स्वागत संबोधन में कहा कि तेजस्वी किसान मार्ट किसानों को सतत, सुरक्षित एवं लाभकारी कृषि की दिशा में मार्गदर्शन प्रदान करने के लिए सतत प्रयासरत है। उन्होंने यह भी बताया कि तेजस्वी किसान मार्ट के स्टोर पर प्राकृतिक खाद, जैविक कीटनाशक एवं अन्य कृषि उत्पाद उपलब्ध हैं, तथा पंजीकृत किसानों को निःशुल्क प्रशिक्षण प्रमाणपत्र प्रदान किए जाएंगे। डॉ.टी.डी. मिश्रा (वरिष्ठ वैज्ञानिक, कृषि विश्वविद्यालय नैनी) ने रासायनिक उर्वरकों पर निर्भरता कम करने पर बल देते हुए कहा कि देसी बीजों का संरक्षण, हरी खाद एवं वर्मी कंपोस्ट का उपयोग, नीम आधारित उपचार और रोगग्रस्त शाखाओं की छंटाई से मिट्टी की उर्वरता बढ़ाई जा सकती है। उन्होंने पर्यावरण संरक्षण और मानव स्वास्थ्य सुरक्षा को कृषि की प्राथमिकता बताया। चंद्रसेन सिंह (संस्थान प्रमुख, प्राकृतिक एवं जैविक खेती, जौनपुर) ने जैविक खाद जैसे जीवामृत, घनजीवामृत और बीजामृत के उपयोग पर विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने निमास्त्र, ब्रह्मास्त्र, अग्नेयास्त्र, खट्टी छाछ और दशपर्णी जैसे जैविक कीटनाशकों के नियमित प्रयोग की सलाह दी, जिससे रासायनिक उर्वरकों पर निर्भरता घटती है। एस.के. सिंह (पूर्व उप महाप्रबंधक, भारतीय बीज

प्राकृतिक खेती और जैविक कृषि पर विशेषज्ञों ने किसानों को किया मार्गदर्शन

सहकारी समिति लिमिटेड एवं बिजनेस हेड, एर्डे एग्रो ईकोसिस्टम प्रा.लि.) ने जैविक खेती और प्राकृतिक उर्वरकों के महत्व पर चर्चा की। उन्होंने किसानों को आईपीएम (समेकित कीट प्रबंधन) अपनाने और बाजार समर्थन, मूल्य निर्धारण तथा ऑर्गेनिक सर्टिफिकेशन के लाभों के प्रति जागरूक किया। हिमांशू चतुवेर्दी (संचालन, तेजस्वी किसान मार्ट) ने प्राकृतिक खेती और कॉन्ट्रैक्ट फार्मिंग के लाभों पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि कॉन्ट्रैक्ट फार्मिंग से किसानों को पूर्वनिर्धारित मूल्य और बाजार की गारंटी प्राप्त होती है, जिससे स्थिर आय और उत्पादन सुनिश्चित होता है।

प्राकृतिक एवं जैविक खेती को अपनाना समय की आवश्यकता।रासायनिक उर्वरकों का नियंत्रित उपयोग और जैविक उपायों का नियमित प्रयोग। आईपीएम तकनीक से कीट प्रबंधन को प्रभावी बनाना। भारतीय बीज सहकारी समिति लिमिटेड एवं एर्डे एग्रो ईकोसिस्टम प्रा. लि. के मार्गदर्शन का लाभ उठाना। तेजस्वी किसान मार्ट के स्टोर से उपलब्ध जैविक उत्पादों का उपयोग करना।एफपीओ के माध्यम से सामूहिक ज्ञान-विनिमय और सहयोग को बढ़ावा देना। पंजीकृत किसानों को निःशुल्क प्रशिक्षण प्रमाणपत्र एवं ऑर्गेनिक सर्टिफिकेशन सहायता प्रदान की जाएगी।

महंत मृत्युंजय दास, भोलेनाथ महतो, रेणु चौरसिया, चंद्रसेन सिंह, दीवान किसान उत्पादक संगठन, हिमांशु चतुवेर्दी, लक्ष्मण सिंह जादौन, मानभूम किसान उत्पादक कंपनी, मुकेश सिंह, प्रकाश प्रसाद, राजन कुमार, रमेश सिंह, रामसेवक कुशवाह, रुपवारा मारवान किसान उत्पादक संगठन, साकिर खान एवं शैलेश कुमार सिंह सहित अनेक प्रतिनिधियों ने सक्रिय सहभागिता की। सभी प्रतिभागियों ने कार्यक्रम के प्रति उत्साह प्रकट किया और प्राकृतिक खेती को अपनाने का संकल्प लिया। कार्यक्रम के अंत में अध्यक्ष ई. प्रकाश पाण्डेय ने सभी वक्ताओं, एफपीओ प्रतिनिधियों एवं किसानों का धन्यवाद ज्ञापित किया तथा उन्हें तेजस्वी किसान मार्ट की आगामी योजनाओं से जुड़ने का आह्वान किया।

जेलों में बंद बेकसूरों को न्याय दिलाने के उद्देश्य से किया गया विशाल शांतिपूर्ण धरना-प्रदर्शन

डॉ.इम्तियाज अहमद/रियाजुक हक खान

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। महामहिम राष्ट्रपति भारत सरकार, नई दिल्ली को, भारत की न्याय व्यवस्था में मूलभूत सुधार, विचाराधीन कैदियों की रिहाई तथा अन्य महत्त्वपूर्ण जन-सरोकार की मांगों के संबंध में विस्तृत ज्ञापन। बाबा साहेब अम्बेडकर विचार मंच के तत्वावधान में भारत किसान यूनियन, नेशनल ह्यूमन राइट्स एंड जस्टिस मूवमेंट, हिन्दुस्तान उद्योग व्यापार मंडल, मदर टेरेसा फाउंडेशन तथा देशभर के अन्य सहयोगी संगठनों की ओर से, देश में न्याय, समानता और सामाजिक समरसता की स्थापना के समक्ष यह ज्ञापन दिया गया।

दिनांक 5 अक्टूबर 2025 को जंतर-मंतर, नई दिल्ली में आयोजित जेलों में बंद बेकसूरों को न्याय दिलाने के उद्देश्य से किए गए विशाल शांतिपूर्ण धरना-प्रदर्शन के उपरांत, राष्ट्र की सर्वोच्च संवैधानिक संरक्षक के रूप में आप तक पहुँचा रहे हैं। हम दृढ़ता से मानते हैं कि लोकतांत्रिक मूल्यों और सामाजिक न्याय को सुनिश्चित करने के लिए न्याय व्यवस्था सहित शासन-प्रशासन के अनेक क्षेत्रों में त्वरित एवं ठोस सुधार आवश्यक है। इसी उद्देश्य से हमारी निम्नलिखित प्रमुख एवं विस्तृत मांगे

(क) न्याय और कानूनी सुधार (Justice and Legal Reforms), फर्जी मुकदमों की तत्काल वापसी बरेली में शांतिपूर्ण धरना-प्रदर्शन करने जा रहे। मुसलमानों के साथ गलत ढंग से पुलिस ने पिटाई किया और फर्जी मुकदमा दर्ज करके मौलाना तौकीर रजा खान तथा बरेली के मुसलमानों को जेल भेज दिया। इसलिए न्यायहित में हम मांग करते हैं कि हजरत मौलाना तौकीर रजा खान और बरेली के मुसलनमानों पर दर्ज किये गये फर्जी मुकदमों को तत्काल वापस लिया जाए एवं मौलाना और बरेली के निर्दोष मुसलमानों पर उत्पीड़न बन्द किया जाए और उन्हें रिहा किया जाये।

वर्षो से बंद विचाराधीन कैदियों की रिहाई उमर खालिद, शरजील इमाम, शिफार्रहमान खान, ताहिर हुसैन, इशरत सिद्दीकी, अतहर खान, मोहम्मद सलीम खान, मीरान हैदर, शादाब अहमद, गुलफिशां फात्मा, खालिद सैफी सहित सभी निर्दोष बंदियों तथा भीमा-कोरेगांव

14 सूत्रीय मांगों की उठाई आवाज

प्रकरण के दलित चिंतक सुरेंद्र गाडलिंग, रमेश गाइचोर, रोमा विल्सन, महेश राउत, ज्योति जगताप, हनी बाबू, सागर गोरखे आदि को तत्काल जमानत पर रिहा किया जाए और सभी फर्जी मुकदमों को वापस लिया जाए।

विधायक मेहराज मलिक की रिहाई जम्मू-कश्मीर के डोडा क्षेत्र के विधायक मेहराज मलिक को तत्काल रिहा किया जाए तथा उनके ऊपर से PSA (Public SÔfety Act) हटाया जाए।

दमनकारी कानूनों की समाप्ति ,गैरकानूनी गतिविधि (रोकथाम) अधिनियम वअढथ तथा सार्वजनिक सुरक्षा अधिनियम ढरअ जैसे दमनकारी कानूनों को समाप्त किया जाए। ये कानून 142 करोड़ भारतीय नागरिकों के मौलिक अधिकारों का हनन करते हैं, अतः इन्हें मीसा, टाडा और पोटा की भांति निरस्त किया जाए।

वक्फ बोर्ड कानून की वापसीः वक्फ कानून 2025, जो संविधान के मूल सिद्धांतों के प्रतिकूल है, को तत्काल रद्द किया जाए तथा धर्म एवं वक्फ संपत्तियों में अनुचित हस्तक्षेप पर रोक लगाई जाए।

सोनम बांगचुक की रिहाईः लद्दाख के प्रसिद्ध इंजीनियर, शिक्षा सुधारक और सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुक को 26 सितंबर 2025 को राष्ट्रीय सुरक्षा कानून (NSA) के अंतर्गत गिरफ्तार किया गया है। राष्ट्रहित में उन्हें तत्काल रिहा किया जाए।

देशभर के विचाराधीन कैदियों की जमानतः देश के विभिन्न राज्यों की जेलों में एक वर्ष से अधिक समय से बंद सभी विचाराधीन कैदियों को तत्काल जमानत पर रिहा किया जाए।

शाहजेब हत्याकांड में त्वरित न्याय आजमगढ़, थाना सिधारी, मोहल्ला पठानी टोला निवासी मुकर्रम अली के मासूम पुत्र शाहजेब की नृशंस हत्या के दोषियों को शीघ्र कठोर दंड दिया जाए। इस प्रकरण की सुनवाई फास्ट ट्रैक कोर्ट में कराकर शीघ्र न्याय सुनिश्चित किया जाए। पीड़ित परिवार को। करोड़ का सरकारी मुआवजा, सुरक्षा तथा स्थायी रोजगार उपलब्ध कराया जाए।

(ख) न्यायपालिका में सामाजिक प्रतिनिधित्व और पारदर्शिता (Judicial Representation & Transparency)

न्यायपालिका में पारदर्शी नियुक्ति प्रणालीः कॉलेजियम प्रणाली को समाप्त कर उच्च न्यायालय एवं सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीशों की नियुक्ति एक स्वतंत्र, पारदर्शी और मेरिट-आधारित परीक्षा प्रणाली (जैसे कअर चयन प्रक्रिया) के माध्यम से की जाए।

न्यायपालिका में आरक्षण एवं प्रतिनिधित्वः न्यायपालिका में सभी वर्गों को न्यायसंगत सामाजिक प्रतिनिधित्व सुनिश्चित किया जाए। दलित एवं आदिवासी समाज हेतु-30%, पिछड़े वर्ग हेतु-52%, अल्पसंख्यक समाज हेतु-10%, धर्म के आधार पर अन्याय का अंत (धारा 341 का संशोधन): संविधान की धारा 341 में संशोधन कर 'धर्म की शर्त' को हटाया जाए, ताकि दलित मुसलमानों एवं दलित ईसाइयों को भी अनुसूचित जाति (रउ) के समान अधिकार एवं संरक्षण प्राप्त हो सके।

(ग) शिक्षा, स्वास्थ्य और सामाजिक सुरक्षा (Social and Economic Security)

शिक्षा और चिकित्सा का राष्ट्रीयकरणः देश के सभी नागरिकों के लिए निः शुल्क एवं गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और चिकित्सा सेवाओं का राष्ट्रीयकरण किया जाए, ताकि गरीबी रेखा से नीचे के समी नागरिकों को समान रूप से ये सुविधाएँ मिल सकें। किसानों को ऋण एवं बिजली बिलों से पूर्ण मुक्तिः किसानों को कृषि कार्यों हेतु लिए गए सभी ऋणों को ब्याज-मुक्त क्रिया जाए तथा बिजली निःशुल्क उपलब्ध कराई जाए।

बेरोजगारी और मजदूरीः शिक्षित बेरोजगार युवाओं को सरकारी रोजगार की गारंटी दी जाए। किसान एवं मजदूर परिवारों के बच्चों के लिए MBBS, BAMS, B-Tech, LLB, LLM-MA आदि उच्च शिक्षा निःशुल्क उपलब्ध कराई जाए। सभी श्रमिकों के लिए न्यूनतम मजदूरी की गारंटी सुनिश्चित की जाए।

हमारा दृढ़ विश्वास है कि उपर्युक्त मांगों की पूर्ति से देश में लोकतंत्र मजबूत होगा तथा संविधान द्वारा प्रदत्त समानता न्याय और सामाजिक सुरक्षा के सिद्धांत वास्तविक रूप में लागू हो सकेंगे।

हम आपसे, राष्ट्र के संवैधानिक संरक्षक एवं सर्वोच्च संवैधानिक पदाधिकारी के रूप में, इन अत्यंत महत्वपूर्ण एवं न्यायोचित माँगों पर तत्काल संज्ञान लेकर संबंधित मंत्रालयों-विभागों को शीघ्र कार्यवाही हेतु निर्देशित करने की अपेक्षा करते हैं। आपकी ओर से सकारात्मक एवं त्वरित हस्तक्षेप की आशा में।

दुर्गा विसर्जन देरी से करने से बिजली उपभोक्ताओं को झेलनी पड़ी परेशानी

सिवान (उत्तरशक्ति)। बिहार के सिवान जिला अंतर्गत महाराजगंज अनुमंडल प्रशासन द्वारा दुर्गा मूर्ति विसर्जन की तिथि 2 अक्टूबर निर्धारित कर दी थी। शहर से लेकर ग्रामीण क्षेत्र के सभी जनप्रतिनिधि शांति समिति की बैठक में शामिल नहीं हुए थे। विसर्जन में किसी प्रकार की परेशानी आम पब्लिक को नहीं हो इसके लिए महाराजगंज के एसडीओ अनिता कुमारी, एसडीपीओ अमन कुमार व अन्य पदाधिकारी के विसर्जन में शामिल होने के लिए प्रतिनियुक्ति भी कर दिया गया था। लेकिन प्रशासन के द्वारा डेड लाइन तय करने के बावजूद प्रखंड के ग्रामीण क्षेत्र में 6 अक्टूबर को दुर्गा मूर्ति विसर्जन किया गया। जिसके कारण रिसौरा पीएसएस से लाइन मजबूर होकर बिजली विभाग को बिजली सप्लाई बंद रखना पड़ा। जिससे उपभोक्ताओं को परेशानी का सामना करना पड़ा। जब की दुर्गापूजा समिति को समय सारणी और क्या करना है क्या नहीं करना है लाइसेंस में दिया गया है। बावजूद विलंब से विसर्जन किया जाय बिजली सप्लाई द्वारा बंद रखा जाय क्या वाजिब है। संबंध में बिजली विभाग के जेई आशीष रंजन का कहना था कि इसके लिए प्रशासन को देखना चाहिए। हम लोग जुलूस देख करके बिजली सप्लाई कुछ देर के लिए बंद कर दिए थे। बिजली विभाग इसकी सूचना ग्रुप पर दल दिया था।

डॉक्टरेट की उपाधि से नवाजे गए मुहम्मद आसिफ अंसारी

केराकत, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। सोमवार को वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय जौनपुर के महंत अवैद्यनाथ संगोष्ठी भवन में आयोजित 29 वें दीक्षांत समारोह में कुलाधिपति महामहिम राज्यपाल आनंदी बेन की उपस्थिति में मुहम्मद आसिफ अंसारी को डॉक्टरेट की उपाधि से नवाजा गया। नगर के मोहल्ला मेहदीतला निवासी पत्रकार मुहम्मद आरिफ अंसारी के पुत्र मुहम्मद आसिफ अंसारी को यह उपाधि शिक्षा शास्त्र के उनके शोध प्रबंध पर दी गई है। शोध उच्च माध्यमिक स्तर पर अध्ययनरत विद्यार्थीयों की सृजनशीलता,समायोजन एवं अधिगम शैली का तुलनात्मक अध्ययन विषय पर किया गया था। शोध गणेश राय पी जी कॉलेज डोभी के एसोसिएट प्रोफेसर राजेन्द्र कुमार जायसवाल के कुशल निर्देशन में पूर्ण किया गया था। अंसारी ने अपनी इस उपलब्धि का श्रेय अपने बड़े पिता सहित अपने माता,पिता भाइयों और परिजनों सहित श्री गणेश राय पी जी कॉलेज डोभी के प्राचार्य डॉ. प्रवीण कुमार सिंह,शिक्षा शास्त्र विभागाध्यक्ष प्रोफेसर डॉ. राजेन्द्र प्रसाद और अपने निर्देशक एसोसिएट प्रोफेसर डॉ राजेन्द्र जायसवाल को दिया है।

राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने किया 150 नए आंगनवाड़ी केंद्रों का शुभारंभ, महिलाओं के स्वास्थ्य, शिक्षा और सुरक्षा को लेकर की कई घोषणाएं

सुरेश गांधी

वाराणसी(उत्तरशक्ति)। कमिश्नरी सभागार में सोमवार को आयोजित आंगनवाड़ी किट वितरण समारोह में उत्तर प्रदेश की राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल ने बतौर मुख्य अतिथि प्रतिभाग करते हुए महिलाओं और बच्चों के समग्र विकास के लिए कई नई पहल की शुरुआत की। इस अवसर पर उन्होंने 150 नए आंगनवाड़ी केंद्रों को किट वितरण किया और कहा कि ह्रसशक्त समाज का आधार सशक्त माताएं और स्वस्थ बच्चे हैं। राज्यपाल ने गर्भवती महिलाओं और माताओं के स्वास्थ्य को प्राथमिकता देते हुए आंगनवाड़ी केंद्रों में गर्भ संस्कार चार्ट लगाने, हीमोग्लोबिन जांच और पौष्टिक आहार को बढ़ावा देने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि हर महिला को यह जानकारी होनी चाहिए कि गर्भ के किस महीने में शिशु का कौन-सा अंग विकसित होता है। उन्होंने होमियोपैथी चिकित्सा को विद्यालयों और आंगनवाड़ी केंद्रों में प्रोत्साहित करने की बात कही। साथ ही बताया कि एचपीवी वैक्सीन अब 26 वर्ष की आयु तक की महिलाओं को दी जा सकती है, जिससे गर्भाशय ग्रीवा कैंसर की रोकथाम संभव है। उन्होंने कहा कि ह्रदेश के 50 प्रतिशत कैंसर केस उत्तर प्रदेश में पाए जाते हैं, जिन्हें जनजागरूकता और टीकाकरण से समाप्त किया जा सकता है। राज्यपाल ने महिलाओं से कहा कि वे अपने बच्चों पर सतत नजर रखें, घर और बाहर दोनों जगह सतर्क रहें। उन्होंने महिलाओं को कंप्यूटर शिक्षा से जोड़ने तथा ग्रामीण स्तर पर महिला सुरक्षा सम्मेलन आयोजित करने की प्रेरणा दी। कार्यक्रम में कई नई योजनाओं और एमओयू पर हस्ताक्षर हुए – जिनमें हाई-साथी प्लेटफॉर्म, ह्रनिवेश सखीह्न योजना, स्कूल कोडिंग कार्यक्रम, आईसीडीएस और वाटर एड इंडिया के बीच आंगनवाड़ी अवसंरचना हेतु समझौता, तथा चौकाघाट व दुर्गाकुंड स्वास्थ्य केंद्रों में डायलिसिस मशीनों का उद्घाटन प्रमुख हैं।

सिल्वर टच टेक्नोलॉजीज लिमिटेड ने एयर ट्रैफिक कम्युनिकेशन में डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन को गति दी

पटना। एन्ड-टू-एन्ड आईटी और डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन सॉल्यूशंस और भारत के एविएशन इन्फ्रास्ट्रक्चर के आधुनिकीकरण में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही प्रमुख कंपनी सिल्वर टच टेक्नोलॉजीज लिमिटेड 15 एयरपोर्ट्स पर एडवांस विएचएफ एक्टिव मल्टीकप्लर सिस्टम्स और सिक्योर नेटवर्क सिक्यूरिटी सॉल्यूशन लागू कर रही है, जिससे एयर ट्रैफिक कंट्रोल टावरों में संचार और सुरक्षा मजबूत हो रही है। हाल ही में कंपनी को एयरपोर्ट्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया द्वारा विएचएफ एक्टिव मल्टीकप्लर सिस्टम्स की सप्लाई, इंस्टॉलेशन, टेस्टिंग और कमीशनिंग के लिए, साथ ही 15 एयरपोर्ट्स में नेटवर्क ट्रैफिक को मॉनिटर और कंट्रोल करने के लिए सिक्योर नेटवर्क सिक्यूरिटी सॉल्यूशन प्रदान करने का महत्वपूर्ण कॉन्ट्रैक्ट दिया गया है। यह प्रोजेक्ट एयर ट्रैफिक कंट्रोल टावरों में बेहतर कम्युनिकेशन इन्फ्रास्ट्रक्चर को उपलब्ध कराने और नेटवर्क में किसी भी घुसपैठ से सुरक्षा देने के लिए क्रियान्वित किया जाएगा। इस विकास पर टिप्पणी करते हुए, मिनेश वी. दोशी, एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर, सिल्वर टच टेक्नोलॉजीज लिमिटेड ने कहा, ह्रहमें एयरपोर्ट्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया के साथ देश के एविएशन इन्फ्रास्ट्रक्चर को विकसित करने में सहयोग करने पर गर्व है। यह प्रोजेक्ट मिशन-क्रिटिकल एनवायरनमेंट के लिए अत्याधुनिक, सुरक्षित और मजबूत तकनीकी समाधान प्रदान करने पर हमारे फोकस को दर्शाता है।

बारिश बाद धान की अच्छी उपज की बढ़ीं उम्मीदें

सिवान (उत्तरशक्ति)। बिहार के सीवान जिले में विगत दिनों में लगातार बारिश ने किसानों के चेहरे पर फिर से रौनक ला दी है। लंबे समय से बारिश का इंतजार किसान कर रहे थे । किसानों की मुरझाई उम्मीदों में जान सी आ गई है। खेतों में पानी भर जाने से धान की फसल एक बार फिर वं लहलहा उठी है। अच्छी पैदावार की उम्मीदें बढ़ गई हैं। दरअसल, अगस्त महीने में बारिश नहीं होने के कारण धान की फसल को किसान पंप सेट से पटवन करने में लग गए थे। बिजली की अनियमित आपूर्ति से सिंचाई का काम भी प्रभावित हो रहा था। ऐसे में खेतों में नमी की कमी के कारण फसलों में झुलसा रोग, पत्तियों का पीला पड़ना जैसी बीमारियां लगने लगी थी। किसानों को अपनी मेहनत की फसल को बचाने के लिए अतिरिक्त लागत और परिश्रम करना पड़ रहा था। लेकिन अब लगातार हुई बारिश से खेतों में पर्याप्त पानी जमा हो गया है। फसल फिर से स्वस्थ दिखाई देने लगी है। धान के पौधों में अब बालियां निकलनी शुरू हो गई हैं और किसान समय पर 'केरौनी' यानी निराई-गुड़ाई का कार्य कर चुके हैं। उनका मानना है कि यह बारिश फसलों के लिए अमृत साबित हुई है। इससे फसलों में लगने वाले रोगों से निजात मिलने के साथ ही उत्पादन में भी वृद्धि होगी। सब्जियों और अन्य खरीफ फसलों को भी भरपूर लाभ मिलेगा। खेतों में नमी बनी रहने से पौधों की जड़ें मजबूत होंगी और दाने भी अधिक भरे और मजबूत निकलेंगे। किसानों ने इसे अमृत वर्षा करार दिया है। उनका कहना है कि यदि आने वाले दिनों में मौसम इसी तरह बना रहा, तो फसल उत्पादन में उल्लेखनीय बढ़ोतरी होगी और पिछले साल की तुलना में बेहतर उपज मिलने की संभावना है। प्रखंड कृषि पदाधिकारी कुंदन कुमार ने भी कहा है बारिश का किसानों की फसलों पर सकारात्मक असर पड़ेगा।

थाना सुजानगंज पुलिस टीम द्वारा चोरी करने वाले एक आरोपी को किया गया गिरफ्तार

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। थाना सुजानगंज पुलिस टीम द्वारा चोरी करने वाले एक आरोपी को किया गया गिरफ्तार, आरोपी के कब्जे से चोरी के 9,700 (नौ हजार सात सौ) रुपया बरामद थानाध्यक्ष सुजानगंज के कुशल नेतृत्व में थाना सुजानगंज पुलिस टीम द्वारा थाना स्थानीय पर पंजीकृत मु0अ0सं0 झ264/2025 धारा 305 / 317(2) बीएनएस में प्रकाश में आये वांछित पिन्टू उर्फ रोहिणी तिवारी पुत्र दयाशंकर तिवारी निवासी ग्राम सुल्तानपुर थाना सुजानगंज जिला जौनपुर उम्र 38 वर्ष को दिनांक 06.10.2025 को समय करीब 09.45 बजे सुबह हरिपुर बाजार से हिरासत पुलिस में लिया गया । तथा उसके कब्जे से चोरी किया हुआ 9,700 (नौ हजार सात सौ) रुपया बरामद किया गया। बाद कार्यवाही आरोपी को मा0 न्यायालय के समक्ष भेजा गया।

महाराजगंज विधानसभा में 3.15 लाख मतदाता, मुस्लिम और सिंह वोटर रहेंगे निर्णायक

सिवान (उत्तरशक्ति)। बिहार विधानसभा चुनाव की तारीखों के ऐलान के साथ ही सिवान जिले की महाराजगंज विधानसभा सीट 112 पर सियासी हलचल तेज हो गई है। चुनाव आयोग के ताजा आंकड़ों के मुताबिक, इस सीट पर कुल 3,15,954 मतदाता पंजीकृत हैं। इनमें 1,63,771 पुरुष और 1,52,183 महिलाएं मतदाता शामिल हैं। लिंग अनुपात 929 है, यानी हर 1000 पुरुषों पर 929 महिलाएं मतदान के योग्य हैं। पिछले विधानसभा चुनाव की तुलना में इस बार 13,168 नए वोटर जुड़े हैं। 2020 में कुल 3,02,786 मतदाता थे। बिहार विधानसभा चुनाव 2025 दो चरणों में संपन्न होंगे। पहले चरण का मतदान 6 नवंबर को और दूसरे चरण का मतदान 11 नवंबर को होगा। वहीं, 14 नवंबर को मतगणना की जाएगी। वर्तमान विधानसभा का कार्यकाल 22 नवंबर 2025 को समाप्त हो रहा है। महाराजगंज सीट पर जातीय समीकरण हमेशा से चुनावी परिणामों को प्रभावित करते रहे हैं। इस क्षेत्र में मुस्लिम मतदाता लगभग 13.3% (40,270) हैं, जबकि सिंह (राजपूत) समुदाय के मतदाता करीब 12.7% (38,453) हैं। इनके अलावा शाह, महतो, यादव और राय समुदाय के मतदाता भी बड़ी संख्या में हैं, जो हर चुनाव में निर्णायक भूमिका निभाते हैं। 2020 के विधानसभा चुनाव में कांग्रेस उम्मीदवार विजय शंकर दुबे ने 48,825 वोट पाकर जीत दर्ज की थी। उन्होंने जदयू प्रत्याशी हेम नारायण साह को 1,976 वोटों के अंतर से हराया था।वहीं, 2015 चुनाव में जदयू के हेम नारायण साह ने 68,459 वोट पाकर भाजपा के कुमार देव रंजन सिंह (48,167 वोट) से शिकस्त दी थी। लोकसभा में भाजपा का दबदबाः 2024 के लोकसभा चुनाव में महाराजगंज संसदीय सीट से भाजपा के जनार्दन सिंह सिग्रीवाल ने एकतरफा जीत दर्ज की थी। उन्होंने कांग्रेस के आकाश कुमार सिंह को 1,02,651 वोटों के अंतर से हराया था। उस समय संसदीय क्षेत्र में कुल 19,24,476 मतदाता पंजीकृत थे। चुनाव आयोग ने मतदान प्रक्रिया को पारदर्शी और सुरक्षित बनाने के लिए विशेष व्यवस्था की है। हर मतदान केंद्र पर अधिकतम 1,200 मतदाता ही होंगे और सभी बूथों पर वेबकास्टिंग की सुविधा रहेगी। इसके अलावा ईवीएम पर स्पष्ट तस्वीरों और बोल्ड सीरियल नंबर वाले बैलेट पेपर का इस्तेमाल किया जाएगा। इस बार चुनावी मैदान में पारंपरिक दलों के साथ प्रशांत किशोर की जन सुराज पार्टी की एंट्री से मुकाबला दिलचस्प होने की संभावना है। राजनीतिक जानकारों का मानना है कि जन सुराज की मौजूदगी से कांग्रेस, जदयू और राजद के वोट बैंक में असर पड़ सकता है।

दिलशाद एस. खान और डॉ. अजय एल. दुबे ने पूर्व सांसद धनंजय सिंह से की मुलाकात

मुंबई। दै. मुंबई हलचल के संपादक दिलशाद एस. खान और बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ चैरिटेबल ट्रस्ट के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. अजय एल. दुबे ने हाल ही में पूर्व सांसद धनंजय सिंह से भेंट की। इस अवसर पर भारतीय जनता पार्टी के उत्तर प्रदेश से विधान परिषद सदस्य (एमएलसी) बृजेश सिंह, ऑल इंडिया फिल्म एम्प्लॉइज कॉन्फेडरेशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष अशोक दुबे सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। मुंबई प्रवास के दौरान धनंजय सिंह ने सभी धर्मों और समुदायों के लोगों से मुलाकात की और आपसी भाईचारे, एकता तथा सामाजिक सद्भाव का सशक्त संदेश दिया। अपने विनम्र स्वभाव और सेवा भावना के कारण वे न केवल जौनपुर बल्कि पूरा उत्तर प्रदेश और सम्पूर्ण भारत में सम्मान और स्नेह के पात्र हैं। देश के विभिन्न हिस्सों से लोग अपनी समस्याएँ लेकर उनके पास पहुँचते हैं, इस विश्वास के साथ कि वे उचित समाधान प्रदान करेंगे। दै. मुंबई हलचल के संपादक दिलशाद एस. खान और डॉ. अजय एल. दुबे ने धनंजय सिंह को सम्मानित किया और उनके सामाजिक कार्यों, गरीबों व वंचितों के उत्थान के लिए किए जा रहे अथक प्रयासों की सराहना की। इसी क्रम में, दै. मुंबई हलचल के संपादक दिलशाद एस. खान ने भाजपा एमएलसी बृजेश सिंह के विकास एवं सामाजिक सौहार्द बढ़ाने में उनके योगदान की प्रशंसा की। दिलशाद खान ने धनंजय सिंह से यह भी चर्चा की कि वे किस प्रकार विभिन्न समुदायों में संतुलन बनाए रखते हुए समाज की सेवा निष्पक्षता, सहानुभूति और समर्पण के साथ करते हैं। इस अवसर पर ऑल इंडिया फिल्म एम्प्लॉइज कॉन्फेडरेशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अशोक दुबे की उपस्थिति ने इस मुलाकात को और भी विशेष बना दिया, जो सामाजिक नेतृत्व और फिल्म जगत के बीच एकता और सामाजिक जागरूकता के संदेश का प्रतीक रही। बैठक सौहार्द, सम्मान और सामाजिक प्रतिबद्धता के भाव के साथ संपन्न हुई। धनंजय सिंह और बृजेश सिंह जैसे नेता सच्चे जनसेवक हैं - जो मानवता, करुणा और निष्ठा के साथ समाज और राष्ट्र के विकास में निरंतर योगदान दे रहे हैं।

रोटरी क्लब ऑफ मुम्बई नार्थ एन्ड का हिंदी दिवस अंतर्गत आयोजित स्पधाओं का पुरस्कार वितरण

मुंबई। रोटरी क्लब ऑफ मुम्बई नार्थ एन्ड द्वारा हिंदी दिवस के अंतर्गत विद्यार्थियों के लिए विभिन्न प्रकार की अंतर शालेय स्पधाओं का आयोजन किया गया था। इस प्रतियोगिता में हिंदी में भाषण, एकल अभिनय, कविता आदि का समावेश कर हिंदी के विकास और प्रचार का महत्वपूर्ण तथा प्रभावशाली प्रयत्न इस क्लब के नव नियुक्त प्रेसिडेंट शिवशंकर अग्रवाल और उनकी ऊजार्वान टीम ने किया । इन प्रतियोगिताओं में कुल 91 स्कूलों के 450 से अधिक विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया , जिसमें विजयी हुए छात्रों को पुरस्कृत करने के लिए एक भव्य समारोह का आयोजन , मालाड के जी डी खेतान इंटरनेशनल स्कूल आडिटोरियम में किया गया। इस समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में डिस्ट्रिक्ट गवर्नर डॉक्टर मनीष मोटवानी तथा विशेष अतिथि के रूप में बॉलीवुड के प्रसिद्ध हास्य कलाकार जॉनी लीवर उपस्थित हुए। इन अतिथियों व क्लब के पदाधिकारियों ने विजयी छात्रों को मैडल, सर्टिफिकेट तथा नकद प्रोत्साहन पुरस्कार देकर सम्मानित किया। इस आयोजन में फर्स्ट लेडी ममता अग्रवाल, अरुण खेतान, विनोद देवड़ा, विजय बांकड़ा तथा कैलाश केड़िया सहित क्लब के सभी पदाधिकारी व सदस्य उपस्थित रहे।

स्नेहा दुबे पंडित ने सिंधुदुर्ग में आत्मनिर्भर भारत संकल्प कार्यशाला को किया संबोधित

सिंधुदुर्ग/मुंबई। भारतीय जनता पार्टी के जिला कार्यालय, वसंत स्मृति, ओरस में आत्मनिर्भर भारत संकल्प अभियान की कार्यशाला का आयोजन उत्साहपूर्वक किया गया। इस विशेष अवसर पर वसई की विधायक और आत्मनिर्भर भारत संकल्प अभियान की महाराष्ट्र सह-संयोजक स्नेहा दुबे पंडित प्रमुख अतिथि के रूप में उपस्थित रहीं। अपने संबोधन में उन्होंने कहा, आत्मनिर्भर भारत केवल एक नीति नहीं, बल्कि यह राष्ट्र के आत्मविश्वास और स्वदेशी चेतना का प्रतीक है। उन्होंने स्थानीय उद्योगों, युवाओं और महिला उद्यमियों को स्वदेशी उत्पादों को अपनाने और नवाचार के साथ आगे बढ़ने का संदेश दिया। इस कार्यशाला में ठाणे-कोंकण संभाग संयोजक श्री अभिजीत पेडणेकर, भाजपा जिला अध्यक्ष प्रभाकर सावंत, जिला संयोजक प्रमोद रावराणे, महिला मोर्चा पदाधिकारी प्रज्ञा धवन, युवा मोर्चा उपाध्यक्ष लखमाराजे भोसले, और कई अन्य वरिष्ठ पदाधिकारी उपस्थित थे। कार्यशाला में हर घर स्वदेशी – घर घर स्वदेशी के संदेश को बल देते हुए स्थानीय उद्यमिता, महिला स्वयं सहायता समूहों और युवा नवोन्मेष को प्रोत्साहित करने की दिशा में मार्गदर्शन प्रदान किया गया।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जीएसटी से अमूलपरिवर्तन किया: हेमंत सांवरा

वसई रोड। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सलाह पर देश में जीएसटी में आमूलचूल परिवर्तन किया गया और कीमतें कम की गईं। लगभग 90 प्रतिशत आवश्यक वस्तुओं पर जीएसटी 18 प्रतिशत से घटाकर 5 प्रतिशत कर दिया गया। इसी पृष्ठभूमि में पालघर नगर परिषद ने भारतीय जनता पार्टी द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम में व्यापारियों और उपभोक्ताओं डॉक्टर हेमंत सांवरा ने संवाद किया। पालघर शहर में विभिन्न गली-मोहल्लों की दुकानों पर जाकर व्यापारियों और उपभोक्ताओं की प्रतिक्रियाएँ सुनी गईं। व्यापारी संगठनों ने जीएसटी दरों में कमी के लिए आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर शहर अध्यक्ष भाविन कंसारा, भाजपा पूर्व मंडल अध्यक्ष अशोक अंभूरे, महिला मोर्चा की चंदाताई दुबे सहित शहर भाजपा पदाधिकारी और कार्यकर्ता उपस्थित थे। जीएसटी में कमी न केवल एक आर्थिक सुधार है बल्कि एक ऐतिहासिक कदम भी है जो आम आदमी की जेब को राहत देगा और व्यापार क्षेत्र को पुनर्जीवित करेगा। माननीय मोदीजी के नेतृत्व में आज देश की अर्थव्यवस्था नई ऊंचाइयों को छू रही है। ₹व्यापार सुगमता₹ की अवधारणा को सुदृढ़ करके व्यापारियों की समस्याओं को कम करने पर जोर दिया जा रहा है। इससे छोटे और मध्यम उद्यमों को काफी लाभ होगा। जीएसटी में कटौती गरीबों, मध्यम वर्गीय परिवारों और छोटे व्यापारियों के लिए सीधी राहत है। माननीय मोदीजी का नेतृत्व न केवल निर्णायक है, बल्कि दूरदर्शी भी है। इसलिए, आम आदमी के हितों को प्राथमिकता देते हुए देश में आर्थिक सुधारों की यात्रा जारी है। इस निर्णय से उपभोक्ताओं की बचत बढ़ेगी, व्यापार में तेजी आएगी और रोजगार सृजन होगा, और मोदी सरकार की सुधार नीतियों की निरंतर दिशा जारी रहेगी।

रघुवीर सिंह पुस्तकालय सर्वोचनालय समिति की हुई बैठक

सिवान (उत्तरशक्ति)। बिहार के सिवान जिला अंतर्गत महाराजगंज प्रखंड स्थित रघुबीर सिंह पुस्तकालय सह वाचनालय समिति सदस्यों की बैठक रघुबीर सिंह स्मृति स्मारक स्थल बंगरा में आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता पुस्तकालय समिति के सांस्कृतिक प्रकोष्ठ के अध्यक्ष जलेश्वर सिंह ने की। समिति सदस्य शिक्षक कुमार राजकपूर (टीपू) ने अपने संबोधन में कहा कि पुस्तकालय सह वाचनालय परिवार द्वारा संचालित निःशुल्क शिक्षा, संस्कार, समर्पण, सहयोग और सेवा कार्यक्रम जो प्रतिदिन बाल विकास केंद्र के माध्यम से देने का कार्य किया जा रहा है, वह अपने दिशा में आज तक सही तरीके से काम कर रहा है । जिसका सुखद परिणाम आनेवाले समय में बदलाव को प्रदर्शित करेगा। श्री टीपू ने बताया कि कोई भी कार्य की शुरूआत में मनुष्य को थोड़ा सा कठिनाई होती है, लेकिन प्रयास सफल होता है बैठक में आगामी दीपावली, छठ पूजा को लेकर शिक्षक, बच्चों संग आयोजित उत्सव कार्ययोजना पर विचार विमर्श कर रूपरेखा तैयारी की जवाबदेही सुनिश्चित की गयी। बैठक में मुख्यतः जगेश्वर पाण्डेय, ऋतिक कुमार, खुशबू सिंह, स्वीटी सिंह, सौम्या उपाध्याय, व्यास सिंह, उपमुखिया कौशल्या देवी, संगीता कुमारी, पीयूष सिंह, लालमोहमद, आदर्ए हुसैन, रमाकांत साह, विश्वनाथ शर्मा, नवीन सिंह, तुषार कुमार, सुहानी भास्कर, नंदनी सिंह सहित समिति सदस्य उपस्थित थे।

यूपी 2030 तक बनेगा वैश्विक फूड बैसकेट : योगी आदित्यनाथ

वाराणसी। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को अंतरराष्ट्रीय चावल अनुसंधान संस्थान में आयोजित डायरेक्ट सीडेड राइस (ऊफ) कॉन्क्लेव में कहा कि देश के खाद्यान्न उत्पादन में अकेले उत्तर प्रदेश का 21 प्रतिशत योगदान है। उन्होंने राज्य को 2030 तक वैश्विक फूड आपूर्तिकर्ता बनाने के लिए कृषि विशेषज्ञों और वैज्ञानिकों के साथ विस्तृत विचार-विमर्श किया। मुख्यमंत्री ने बताया कि पिछले 11 वर्षों में राज्य की कृषि प्रणाली में क्रांतिकारी बदलाव हुए हैं। प्रधानमंत्री द्वारा संचालित सॉयल हेल्थ कार्ड, बीमा, टरढ और किसान सम्मान निधि जैसी योजनाओं से दस करोड़ किसानों को प्रतिवर्ष लाभ मिल रहा है। उन्होंने कहा कि क्क्क्क और इरी जैसे उत्क्कअफकेंद्रों ने जलवायु-संवेदनशील धान किस्मों और आधुनिक कृषि तकनीकों में अहम योगदान दिया है। मुख्यमंत्री ने स्थानीय और पारंपरिक किस्मों के संरक्षण पर भी जोर दिया। उन्होंने कलानमक धान का उदाहरण देते हुए कहा कि इसे ऐतिहासिक रूप से भगवान बुद्ध को महाप्रसाद के रूप में अर्पित किया जाता था। उन्होंने बताया कि राज्य में अन्न, दालें, तेलहन और सब्जियों का उत्पादन पिछले एक दशक में पांच गुना बढ़ा है.

कार्यक्रम में कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही, राज्य मंत्री रविन्द्र जायसवाल, डॉ. दयाशंकर मिश्र ह्यदयालुद्ब, बलदेव सिंह औलख और अंतरराष्ट्रीय कृषि विशेषज्ञ उपस्थित रहे। मुख्यमंत्री ने किसानों को मिनी किट और आधुनिक मशीनरी जैसे ई-सीडर और प्रिसीजन हिल सीडर वितरित की, जिससे आधुनिक और संसाधन-संवेदनशील खेती को बढ़ावा मिलेगा। कार्यक्रम का समापन बलदेव सिंह औलख द्वारा धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ। इस पहल से उत्तर प्रदेश तकनीक-संचालित, जलवायु-स्मार्ट और सतत कृषि अपनाकर 2030 तक विश्व में अग्रणी खाद्य उत्पादक बनने की दिशा में अग्रसर है।

संस्कृत ही भविष्य की वैश्विक भाषा बनेगी : सीएम योगी

वाराणसी. मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि यह पूरे काशीवासियों का सौभाग्य है कि हमारी नगरी का नेतृत्व दुनिया के सबसे लोकप्रिय नेता प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कर रहे हैं। प्रधानमंत्री ने महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए जो योजनाएं शुरू की हैं, उनसे नारी आत्मनिर्भरता और सम्मान का नया अध्याय जुड़ा है। बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ से लेकर उज्ज्वला योजना और प्रधानमंत्री आवास योजना तक, हर पहल ने महिलाओं के जीवन में परिवर्तन की रौशनी भरी है। मुख्यमंत्री सोमवार को शिवपुर स्थित अन्नपूर्णा ऋषिकुल ब्रह्मचर्याश्रम संस्कृत महाविद्यालय में काशी अन्नपूर्णा अन्न क्षेत्र ट्रस्ट द्वारा आयोजित सिलाई-कढ़ाई एवं कंप्यूटर प्रशिक्षण केंद्र के 14वें सत्रांत समारोह को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर उन्होंने लगभग 250 बालक-बालिकाओं को सिलाई मशीन, लैपटॉप और प्रमाणपत्र प्रदान किए। मुख्यमंत्री के हाथों उपहार पाकर छात्र-छात्राओं के चेहरे खुशी से खिल उठे।

मां अन्नपूर्णा की कृपा से हम सबको अन्न मिलता है

योगी आदित्यनाथ ने कहा कि मां अन्नपूर्णा के प्रसाद स्वरूप ही हम सबको अन्न की प्राप्ति होती है। उन्होंने कहा कि यह आश्रम 108 वर्षों से समाजसेवा और संस्कार निर्माण का कार्य कर रहा है। महंत शंकर पुरी और उनकी पूरी टीम समाज के हर वर्ग के लिए प्रेरणास्रोत हैं। उन्होंने कहा कि इस आश्रम द्वारा संचालित प्रशिक्षण मिशन शक्ति के उद्देश्यों को आगे बढ़ाता है और महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने में अहम भूमिका निभा रहा है।

गरीबों को मिला सम्मान और स्वामित्व

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने गरीबों को सम्मानजनक जीवन देने के लिए अनेक योजनाएँ शुरू की हैं। घरौनी योजना के माध्यम से गरीबों को उनकी आवासीय भूमि का स्वामित्व देकर नारी सम्मान बढ़ाया गया है। उज्ज्वला योजना के तहत 10 करोड़ से अधिक परिवारों को गैस कनेक्शन दिए गए। अब वाराणसी में पाइपलाइन से एलपीजी गैस की आपूर्ति शुरू हो चुकी है, जो प्रधानमंत्री के प्रयासों का प्रतिफल है।

वस्त्र क्षेत्र में खुले रोजगार के नए द्वार

सीएम योगी ने कहा कि कृषि के बाद सबसे अधिक रोजगार देने वाला क्षेत्र वस्त्र उद्योग है। महिलाओं के लिए सिलाई-कढ़ाई प्रशिक्षण का सीधा संबंध इस सेक्टर से है। उन्होंने कहा कि जितनी अधिक महिलाएं सिलाई-कढ़ाई करेंगी, उतनी ही उनकी आय बढ़ेगी। उन्होंने बताया कि प्रदेश की राजधानी में 1100 एकड़ में वस्त्र मित्र पार्क बनाया जा रहा है, जो रोजगार और निर्यात दोनों के लिए वरदान साबित होगा। वन डिस्ट्रिक्ट वन प्रोडक्ट योजना से स्थानीय उत्पादों को वैश्विक बाजार में पहचान मिली है।

संस्कृत जोड़ेगी दुनिया को

मुख्यमंत्री ने कहा कि अन्नपूर्णा मंदिर और संस्कृत महाविद्यालय न केवल शिक्षा का केंद्र हैं, बल्कि भारतीय संस्कृति के संवाहक भी हैं। यहां के छात्र वैदिक मंत्रोच्चार से हर कार्यक्रम को आध्यात्मिक बना देते हैं। संस्कृत केवल भाषा नहीं, भारत की आत्मा है। उन्होंने कहा कि आने वाले समय में संस्कृत ही एक-दूसरे की संस्कृति को जोड़ने की भाषा बनेगी। सरकार संस्कृत के उत्थान के लिए छात्रवृत्तियों, शोध संस्थानों और उच्च शिक्षा में सुधार पर निरंतर कार्य कर रही है। सीएम योगी ने कहा कि भारत ने दुनिया को ज्ञान दिया है। तक्षशिला विश्वविद्यालय और महर्षि पाणिनि की व्याकरण परंपरा ने शिक्षा की नई दिशा दिखाई। महर्षि वाल्मीकि ने संस्कृत में पहला महाकाव्य रचकर साहित्य की आधारशिला रखी। संस्कृत दिव्य ज्ञान की भाषा है, जिसमें भाव और भक्ति दोनों समाहित हैं। यही भाव विश्व कल्याण का मार्ग प्रशस्त करता है।

आश्रम ने दी सेवा की मिसाल

कार्यक्रम की शुरूआत मुख्यमंत्री ने माता सरस्वती, भगवान महादेव और मां अन्नपूर्णा की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर दीप प्रज्वलन से की। महंत शंकर पुरी ने मुख्यमंत्री का स्वागत करते हुए कहा कि यह आश्रम समाजसेवा, संस्कृत संवर्धन और महिला प्रशिक्षण में निरंतर अग्रणी रहा है। उन्होंने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का धन्यवाद ज्ञापित किया। इस अवसर पर स्टाम्प एवं न्यायालय पंजीयन शुल्क राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) रवीन्द्र जायसवाल, आयुष मंत्री डॉ. दयाशंकर मिश्र दयालु, जिला पंचायत अध्यक्ष पूनम मौर्या, एमएलसी हंसराज विश्वकर्मा, एमएलसी राय धर्मेन्द्र सिंह, एमएलसी अन्नपूर्णा सिंह, पूर्व मंत्री एवं विधायक डॉ. नीलकंठ तिवारी, विधायक डॉ. अवधेश सिंह, विधायक डॉ. सुनील पटेल, विधायक त्रिभुवन राम, विधायक सुशील सिंह, महानगर अध्यक्ष प्रदीप अग्रहरि, मंडलायुक्त एस. राजलिंगम, पुलिस आयुक्त मोहित अग्रवाल, डीआईजी वैभव कृष्ण, मुख्य विकास अधिकारी हिमांशु नागपाल सहित अनेक अधिकारी और जनप्रतिनिधि मौजूद रहे।

उत्कर्ष स्मॉल फाइनेंस बैंक लिमिटेड ने एक नए बैंकिंग आउटलेट के साथ बिहार में अपनी उपस्थिति का विस्तार किया

जमुई, बिहार। उत्कर्ष स्मॉल फाइनेंस बैंक लिमिटेड (उत्कर्ष एसएफबीएल) ने जमुई में एक नए बैंकिंग आउटलेट के उद्घाटन की घोषणा की है, जिससे बिहार में इसकी उपस्थिति और मजबूत होगी। इन लॉन्च के साथ, बैंक के बिहार में 280 और देश भर में 1,104 बैंकिंग आउटलेट हो गए हैं।

जमुई के निवासियों को बचत खाते, चालू खाते, सावधि जमा और आवर्ती जमा सहित बैंकिंग उत्पादों की एक विस्तृत श्रृंखला का लाभ मिलेगा। बैंक विभिन्न ऋण उत्पाद भी प्रदान करता है, जैसे आवास ऋण, व्यावसायिक ऋण, संपत्ति पर ऋण, ऋण, बीमा और निवेश उत्पाद। बैंक का बुनियादी ढाँचा, डिजिटल बैंकिंग क्षमताएँ और एटीएम नेटवर्क एक सहज बैंकिंग अनुभव सुनिश्चित करते हैं। इस विस्तार पर टिप्पणी करते हुए, उत्कर्ष स्मॉल फाइनेंस बैंक लिमिटेड के एमडी और सीईओ, श्री गोविंद सिंह ने कहा, श्यह नया बैंकिंग आउटलेट बैंकिंग को उन समुदायों के करीब लाने की हमारी प्रतिबद्धता की दिशा में एक और कदम है, जिन्हें इसकी सबसे ज्यादा जरूरत है। चाहे बच्चे की शिक्षा के लिए बचत करना हो या छोटे व्यवसाय को बढ़ाने के लिए ऋण प्राप्त करना हो, हम चाहते हैं कि लोगों को पता चले कि विश्वसनीय वित्तीय सहायता अब उनके आस-पड़ोस में उपलब्ध है।

यह बैंकिंग आउटलेट वंचित या कम आय वाले व्यक्तियों या समूहों को व्यवसाय विकास सेवाओं के लिए माइक्रो-बैंकिंग ऋण प्रदान करेगा, जिनकी वित्तीय सेवाओं तक पहुँच सीमित है। समूह ऋण के संयुक्त देयता समूह (जेएलजी) मॉडल में एक सहकर्मी-गारंटी ऋण मॉडल शामिल है जो व्यक्तियों को व्यक्तिगत आधार पर बिना किसी संपार्श्विक या सुरक्षा प्रदान किए ऋण लेने में सक्षम बनाता है, साथ ही समूह के भीतर पारस्परिक सहयोग के माध्यम से ऋण अनुशासन को बढ़ावा देता है और उनके ऋणों का शीघ्र पुनर्भुगतान करता है। ग्राहक बैंकिंग आउटलेट, माइक्रो एटीएम (बैंकिंग समय के दौरान), इंटरनेट बैंकिंग, मोबाइल बैंकिंग, एकीकृत भुगतान इंटरफेस (यूपीआई) और कॉल सेंटर जैसे विभिन्न माध्यमों से बैंकिंग सेवाओं का उपयोग कर सकते हैं। इसके अतिरिक्त, बैंक ग्राहकों को टैबलेट-आधारित एप्लिकेशन-सहायता प्राप्त मॉडल, श्डिजी ऑन-बोर्डिंगश के माध्यम से बैंकिंग आउटलेट पर जाए बिना बैंक खाता खोलने की सुविधा प्रदान करता है।

श्री काशी महादेव मंडल द्वारा सार्वजनिक नवरात्रि उत्सव बड़े धूमधाम से मनाया गया

-तारकेश्वर पांडे

मीरा भायंदर (उत्तरशक्ति)। मीरा रोड, काशीमीरा परिसर श्री राम नगर म्हस्कर पाड़ा मीनाक्षी नगर में श्री मंगल गांधी संस्थापक वो अध्यक्ष द्वारा भव्य एवं दिव्या दुर्गा माता के प्रतिमा स्थापित कर विधिवत पूजा पाठ किया गया। जहां पर 9 दिन लगातार भजन कीर्तन वो गरबा का सिलसिला चलते रहा, भजन कीर्तन आरती दीपदान के ध्वनि से गूंज उठा परिसर, इस अवसर पर माता की चौकी एवं विशाल महाप्रसाद भंडारा का भी आयोजित किया गया था। जहां पर दर्शन करने हेतु स्थानीय नेताओं ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया और माता का दर्शन कर आशीर्वाद लिया, इस मौके पर संस्था के संस्थापक वो अध्यक्ष, मंगल गांधी द्वारा आए हुए सभी अतिथियों को स्वागत सम्मान कर आभार प्रकट किया।

दुकान पर बैठने के लिए रखी पटिया को अराजकतत्वों ने तोड़ी

केराकत, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। क्षेत्र के सेनापुर गांव निवासी विकलांग अशोक कुमार पुत्र फेकू चौधरी गांव के तिराहे पर स्थित एक गुमटी में चाय,पान व समोसा की दुकान चलाकर परिवार का भरण पोषण करता है।दुकान पर ग्राहकों के बैठने के लिए पटिया का ब्रेंच बनाकर रखा था जिसे बीती रात अजारतत्वों ने तोड़ दी सुबह जब भुक्तभोगी दुकान खोलने पहुंचा तो बैठने के लिए रखी पटिया को टूटा देख अवाक रह गया।घटना की सूचना पर आस पास के लोगो की भीड़ इकट्ठा हो गई।भुक्तभोगी ने घटना की सूचना पुलिस को दी,सूचना पर पहुंची पुलिस मौके ए वरदात का मुआवना कर जांच पड़ताल में जुट गई।वही यह घटना ग्रामीणों में चर्चा का विषय बना हुआ है।

गन्ना किसानों की मांग के दृष्टिगत गन्ना समिति सदस्यता एवं उपज बढ़ोत्तरी हेतु 10 अक्टूबर, 2025 तक बढ़ायी गयी तिथि

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जिला गन्ना अधिकारी रंजीत कुमार निराला द्वारा बताया गया कि प्रदेश की आयुक्त, गन्ना एवं चीनी द्वारा साप्ताहिक समीक्षा बैठक में क्षेत्रीय अधिकारियों एवं गन्ना किसानों की मांग के दृष्टिगत पेराई सत्र 2025-26 के लिए समिति सदस्यता 10 अक्टूबर, 2025 तक बढ़ा दी गई है, जो कृषक अभी तक समिति सदस्य नहीं बन पाये हैं, उन्हें वर्तमान पेराई सत्र 2025-26 में गन्ना आपूर्ति का लाभ लेने हेतु 10 दिन का अतिरिक्त अवसर प्रदान किया गया है। पूर्व में पेराई सत्र 2025-26 हेतु जारी सट्टा नीति में गन्ना समिति सदस्यता एवं उपज बढ़ोत्तरी हेतु अन्तिम तिथि 30 सितम्बर, 2025 तक ही निर्धारित थी। इस सम्बन्ध में विस्तृत जानकारी देते हुए जिला गन्ना अधिकारी ने बताया कि गन्ना आयुक्त, उ. प्र. द्वारा अपील किया गया है कि ऐसे कृषक जिन्होंने पहली बार गन्ने की खेती की है, समिति सदस्य बनकर गन्ना आपूर्ति का लाभ उठायें तथा राज्य सरकार द्वारा घोषित गन्ना मूल्य दर पर गन्ना आपूर्ति कर लाभ प्राप्त करें। गन्ना किसानों के अधिक से अधिक समिति के नये सदस्य बनने से गन्ने की उपलब्धता भी बढ़ेगी। जिन किसानों के पास गन्ने की उपज जिले के औसत उपज से अधिक है, वे कृषक उपज बढ़ोत्तरी हेतु अपना आवेदन 10 अक्टूबर, 2025 तक जमा कर सकेंगे तथा उन्हीं गन्ना कृषकों को उपज बढ़ोत्तरी की व्यवस्था का लाभ प्रदान किया जायेगा।

थाना बक्सा पुलिस टीम द्वारा धर्म परिवर्तन कराने वाले तीन आरोपियों को किया गया गिरफ्तार

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। थाना बक्सा पुलिस टीम द्वारा धर्म परिवर्तन कराने वाले 03 आरोपियों को किया गया गिरफ्तार, पुलिस अधीक्षक जौनपुर के द्वारा अपराध की रोकथाम एवं अपराधियों की गिरफ्तारी हेतु चलाये जा रहे विशेष अभियान के क्रम में अपर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण के निर्देशन व क्षेत्राधिकारी सदर के पर्यवेक्षण में थाना बक्सा पुलिस टीम द्वारा धर्म परिवर्तन कराने के सम्बन्ध में थाना बक्सा में पंजीकृत पंजीकृत मु.अ.सं. 390/2025 धारा 131, 352, 351(3) बीएनएस व 3/5(1) उ.प्र. विधि विरूद्ध धर्म संपरिवर्तन प्रतिषेध अधिनियम 2021 से सम्बन्धित आरोपीगण सुनील कुमार पुत्र श्यामला, श्यामलाल पुत्र रामदेव, राजकुमार पुत्र बल्लू नि.गण लखौंवा थाना बक्शा, जौनपुर को ग्राम बसारतपुर से आज 05 अक्टूबर 2025 को समय 19.30 बजे गिरफ्तार कर जिनके कब्जे से धार्मिक प्रचार सम्बन्धी किताबे व पम्पलेट बरामद किया गया है। नियमानुसार आवश्यक विधिक कार्यवाही करते हुए मा0 न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया जा रहा है।

थाना सरायख्वाजा पुलिस टीम ने 10 लीटर अवैध देशी शराब के साथ एक आरोपी को किया गिरफ्तार

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। थाना सरायख्वाजा पुलिस टीम ने 10 लीटर अवैध देशी शराब के साथ एक आरोपी को किया गिरफ्तार प्रभारी निरीक्षक सरायख्वाजा के नेतृत्व में थाना सरायख्वाजा पुलिस टीम द्वारा 06 अक्टूबर2025 को हड्ही नहर के पास से एक आरोपी संजय बिन्द पुत्र सिगारे बिन्द उम्र 25 वर्ष ग्राम हडही थाना सरायख्वाजा जनपद जौनपुर को 10 लीटर अवैध देशी शराब के साथ गिरफ्तार किया गया। बरामदगी व गिरफ्तारी के आधार पर सुसंगत धाराओं मे अभियोग पंजीकृत कर आरोपी के विरुध्द आवश्यक विधिक कार्यवाही किया गया। मु.अ.सं. 598/2025 धारा 60 आबकारी अधि0 थाना सरायख्वाजा जनपद जौनपुर।

400 ई-वाहनों के माध्यम से स्वच्छ परिवहन क्रांति

मुंबई। सतत और हरित परिवहन की दिशा में एक बड़ा कदम उठाते हुए, रेफेक्स समूह के स्वच्छ गतिशीलता (क्लीन मोबिलिटी) प्रभाग, रेफेक्स मोबिलिटी ने मुंबई ले बाद दिल्ली-एनसीआर क्षेत्र में अपनी 'क्लीन ड्राइव' पहल के महत्वपूर्ण विस्तार की घोषणा की है। इस घोषणा के बाद, कंपनी अगले तीन महीनों के भीतर राजधानी क्षेत्र में 400 नए इलेक्ट्रिक चार-पहिया वाहन तैनात करेगी, जो कॉर्पोरेट परिवहन के लिए एक पर्यावरण-अनुकूल विकल्प प्रदान करेंगे।

पूर्व सांसद लोकप्रिय नेता धनंजय सिंह से सदीक्षा भेंट स्वागत

-आदेश मिश्र

मुंबई। जौनपुर के पूर्व सांसद, कार्यसम्राट एवं लोकप्रिय जननेता धनंजय सिंह तथा उत्तर प्रदेश विधान परिषद के सदस्य बृजेश सिंह प्रिंशु से रविवार को मुंबई में विधायक राम कदम के निवास पर रामलीला उत्सव समिति के अध्यक्ष प्रभाकर चंद्रशेखर शुक्ल और पत्रकार एवं विशेष कार्यकारी अधिकारी महाराष्ट्र शासन आदेश मिश्र ने सदीक्षा भेंटकर शाल पुष्पगुच्छ और संकल्प पत्रिका भेंटकर भव्य स्वागत किया। गौरतलब है कि पूर्व सांसद धनंजय सिंह अपने सरल, मिलनसार स्वभाव और जनसेवा के प्रति समर्पण के लिए प्रसिद्ध हैं। वे सदैव जनता के सुख-दुख में सहभागी रहते हैं और गरीबों के सहायक एवं मसीहा के रूप में पहचाने जाते हैं। हर वर्ष वे अपने निजी संसाधनों से अनेक निर्धन कन्याओं का विवाह संपन्न कराते हैं तथा जरूरतमंदों को चिकित्सीय सहायता उपलब्ध कराते हैं। अपने कार्यकाल में धनंजय सिंह ने विधायक और सांसद रहते हुए उल्लेखनीय विकास कार्य किए। वर्तमान में उनकी धर्मपत्नी श्रीकला धनंजय सिंह, जौनपुर की जिला पंचायत अध्यक्ष के रूप में क्षेत्र के सर्वांगीण विकास हेतु निरंतर कार्यरत हैं, जनता के बीच यह धारणा प्रचलित है कि जहां विकास की चर्चा होती है, वहां धनंजय सिंह का नाम अवश्य लिया जाता है। इस अवसर पर ऑल इंडिया फिल्म फेडरेशन के अध्यक्ष अशोक दुबे, रामगंज के चेयरमैन राकेश सिंह और विपिन सिंह,बल्ले सिंह, कुंवर बहादुर सिंह, मनोज सिंह,अवधेश तिवारी, जयप्रकाश मिश्र, वकील यादव, सुधीर ढकोलिया, अशोक गुप्ता, दिनेश पांडेय विपिन सिंह सिप्पी सहित अनेक गणमान्य जन उपस्थित रहे।

बाबू शोभनाथ सिंह मेमोरियल ट्रस्ट द्वारा नवरात्रोत्सव एवं लता जी, सरदार भगत सिंह की जयंती संपन्न

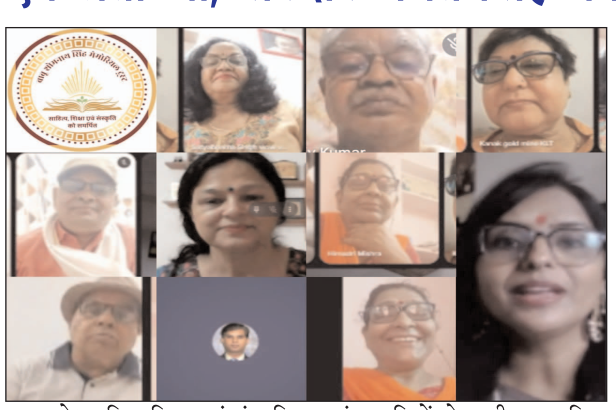

ठाणे। साहित्य शिक्षा एवं संस्कृति को समर्पित न्यास बाबू सोमनाथ सिंह मेमोरियल ट्रस्ट कल्याण के पश्चिम बंगाल इकाई द्वारा प्रदेश अध्यक्ष सुप्रसिद्ध कवयित्री डॉ उर्वशी श्रीवास्तव ने नवरात्रोत्सव पर ऑनलाइन काव्य गोष्ठी का आयोजन किया।संस्था के संस्थापक शिव कुमार सिंह एवं संस्था सचिव श्रीमती सत्यभामा सिंह जिया के संयोजन में माता की भक्ति में लीन भक्तों के लिए नौ दिन का सतत कार्यक्रम चला। जिसमें एक से बढ़कर एक वरिष्ठ कवि एवं कवित्रियों नेअपनी सहभागिता दिखाकर कार्यक्रम को उच्च शिखर तक पहुंचा दिया। उक्त कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि महाराष्ट्र जिले की वरिष्ठ कवयित्री डॉ कनकलता तिवारी द्वारा दीप प्रज्वलित एवं अध्यक्षता कर रही संस्था की सचिव श्रीमती सत्यभामा सिंह द्वारा मां को पुष्प अर्पित करके किया गया।कोलकाता की सुप्रसिद्ध वरिष्ठ कवियत्री श्रीमति हिमाद्री मिश्र द्वारा उनकी मधुर वाणीं में सरस्वती वन्दना हुई तत्पश्चात सुश्री रंजन झा द्वारा सुंदर शब्दों में सुसज्जित कविता प्रस्तुत की गई। विशिष्ट अतिथि दिनेश चंद्र त्रिपाठी ने लता जी की याद में कविता पढ़ी।उनकी जयंती पर कोलकाता से श्रीमती हिमाद्री मिश्र ने देवी माँ के चरणों में अपनी मिश्री बोली से कविता अर्पित की। अहमदाबाद से कविता पंत,आलोक शास्त्री,मुख्य अतिथि डा० कनक लता तिवारी ने देशभक्ति से ओतप्रोत वीररस के गीत से शहीद भगत सिंह को श्रद्धांजली अर्पित की। कार्यक्रम का संचालन कर रही पश्चिम बंगाल ईकाई की प्रदेश अध्यक्ष डा० उर्वशी श्रीवास्तव ने मात-पिता के प्यार का ऋण कभी नहीं चुक पायेगा जो सबके हृदय को छू लिया तत्पश्चात लता- जयंती के अवसर पर उन्होंने अपनी मधुर वाणी से लता जी आप हम सभी को याद बहुत आयेंगी सुनाई। कार्यक्रम अध्यक्ष, संस्था की सचिव श्रीमति सत्यभामा सिंह जिया ने अपनी गीत सुनाते हुए उपस्थित सभी साहित्यकारों का धन्यवाद ज्ञापन देकर सम्मान किया। संस्थापक अध्यक्ष शिव कुमार सिंह के आयोजन संयोजन में काव्य गोष्ठी पूर्ण रूप से सफल हुई।

भदोही के कालीन को विश्व बाजार तक पहुँचाने का संकल्प : सीएम योगी ने दिलाया हरसंभव सहयोग का भरोसा

वाराणसी. पूर्वांचल के कारपेट सिटी के नाम से प्रसिद्ध भदोही एक बार फिर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान चमकाने को तैयार है। आगामी 11 अक्टूबर से शुरू हो रहे अंतरराष्ट्रीय कालीन मेले की तैयारियों को लेकर सोमवार को कालीन उद्योग से जुड़े प्रमुख उद्यमियों और प्रतिनिधियों का एक प्रतिनिधिमंडल सांसद डॉ. विनोद बिंद के नेतृत्व में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से लखनऊ में मिला। मुलाकात के दौरान मुख्यमंत्री ने न केवल मेले की तैयारियों का हाल जाना, बल्कि उद्योग की समस्याओं पर गंभीरता से विचार करते हुए हर संभव समाधान का आश्वासन भी दिया। साथ मेले में भाग लेने की संभावना भी जताई.

भदोही का कालीन उद्योग सदियों से भारतीय हस्तशिल्प की पहचान रहा है। यहीं से तैयार किए गए बारीक बुने कालीन दुनिया के कई देशों में निर्यात होते हैं। आगामी अंतरराष्ट्रीय कालीन मेला इसी गौरवशाली परंपरा को और विस्तार देने का प्रयास है। मुख्यमंत्री योगी को इस आयोजन के लिए आमंत्रित करते हुए प्रतिनिधिमंडल ने बताया कि इस मेले में अमेरिका, यूरोप, ऑस्ट्रेलिया, जापान, कनाडा, जर्मनी, फ्रांस और यूएई जैसे देशों से क्रेता प्रतिनिधि भाग लेंगे। इससे न केवल स्थानीय कारीगरों को अंतरराष्ट्रीय बाजार से जोड़ने का अवसर मिलेगा, बल्कि क्षेत्र के आर्थिक विकास की नई राह भी खुलेगी। मुख्यमंत्री योगी ने इस आयोजन को पूर्वांचल का प्रमुख व्यापारिक और सांस्कृतिक अवसर बताते हुए कहा कि ह्लभदोही का कालीन उद्योग उत्तर प्रदेश की हस्तशिल्पीय आत्मा है। यह न सिर्फ रोजगार देता है, बल्कि भारतीय कला, संस्कृति और परंपरा का जीवंत प्रतीक भी है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि भदोही का कालीन उद्योग ह्यवन डिस्ट्रिक्ट वन प्रोडक्ट (ओडीओपी) योजना का सर्वश्रेष्ठ उदाहरण है। इस योजना के माध्यम से प्रदेश सरकार स्थानीय उत्पादों को वैश्विक पहचान दिलाने में सफल रही है। उन्होंने कहा कि कालीन उद्योग में लगे हजारों कारीगरों की मेहनत और सृजनशीलता को देश-दुनिया में सराहना मिल रही है। सरकार की मंशा है कि भदोही का हर कारीगर अंतरराष्ट्रीय बाजार तक पहुंचे और अपने हुनर से आत्मनिर्भर भारत के निर्माण में योगदान दे। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि मेले में भाग लेने वाले उद्यमियों और विदेशी प्रतिनिधियों को किसी प्रकार की असुविधा न हो, इसके लिए प्रशासनिक स्तर पर सभी तैयारियां पूरी की जाएं।

बैठक के दौरान मुख्यमंत्री ने कालीन निर्यात में आ रही प्रमुख समस्याओं की जानकारी ली। विशेषकर अमेरिका द्वारा लगाए गए टैरिफ शुल्क से निर्यात प्रभावित होने की स्थिति पर विस्तृत चर्चा हुई। मुख्यमंत्री योगी ने कहा, राज्य सरकार केंद्र के साथ समन्वय बनाकर इस समस्या के समाधान के लिए प्रयासरत है। हम चाहते हैं कि हमारे निर्यातकों को ऐसी सहूलियत मिले जिससे वे वैश्विक प्रतिस्पर्धा में पीछे न रहें। उन्होंने यह भी कहा कि राज्य सरकार निर्यातक वर्ग के हित में ऐसी नीति तैयार करेगी जिससे विदेशी व्यापार से जुड़े उद्योगों को स्थिरता और प्रोत्साहन मिले।

प्रतिनिधिमंडल ने मुख्यमंत्री के सामने कारीगरों को आधुनिक तकनीक, प्रशिक्षण, डिजाइन नवाचार और विपणन सहायता की आवश्यकता पर भी चर्चा की। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार द्वारा संचालित योजनाओं जैसे विश्वकर्मा श्रम सम्मान योजना, प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम और ओडीओपी ट्रेनिंग स्कीम के तहत कालीन उद्योग को प्राथमिकता दी जा रही है। उन्होंने कहा कि कारीगरों को केवल रोजगार नहीं, सम्मान मिलना चाहिए। भदोही के हर घर में कौशल की परंपरा है, यह परंपरा आधुनिक तकनीक से जुड़कर नई ऊंचाइयों को छुएगी।

मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय कालीन मेला प्रदेश की गौरवगाथा का प्रतीक बनेगा। यह आयोजन न केवल व्यापार का माध्यम है, बल्कि यह कारीगरों के श्रम, संस्कृति और परंपरा का उत्सव भी है। उन्होंने कहा कि सरकार की प्राथमिकता है कि भदोही और आसपास के जिलों को वैश्विक निर्यात केंद्र के रूप में विकसित किया जाए। सांसद डॉ. विनोद बिंद ने मुख्यमंत्री को धन्यवाद देते हुए कहा कि उनके नेतृत्व में प्रदेश में उद्योगों के लिए जो अनुकूल माहौल बना है, वह भदोही जैसे पारंपरिक उद्योगों को नई दिशा दे रहा है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री के संरक्षण में कालीन उद्योग को नई ऊर्जा मिली है। मुख्यमंत्री से मुलाकात करने वाले प्रतिनिधिमंडल में कारपेट एक्सपोर्ट प्रमोशन काउंसिल (सीईपीसी) चेयरमैन कुलदीप राज वट्टल, सदस्य पीयूष बरनवाल, असलम महबूब, इम्तियाज अहमद, संजय गुप्ता और अनिल सिंह शामिल रहे। सभी ने कालीन उद्योग की प्रगति के लिए सरकार से सतत सहयोग की अपेक्षा जताई।

गुजरात के इनोवेशन से न्यूयोर्क में अमेरिका की प्रथम LiFi इंटरनेट सेवा शुरू

मुंबई। न्यूयॉर्क शहर में अमेरिका की पहली LiFi (लाइट फिडेलिटी) इंटरनेट सिस्टम का प्रारंभ करके गुजरात की नव वायरलेस टेक्नोलॉजीज प्रा. लि. ने इतिहास रच दिया है। खएरउड वेंचर्स लैब के सहयोग में सिलिकॉन हार्लेम में इस इंस्टॉलेशन के साथ भारतीय इनोवेशन ने अमेरिका में कनेक्टिविटी के क्षेत्र में नया अध्याय शूरु किया है। इस उपलब्धि के साथ LiFi टेक्नोलॉजी पेटेंट वाली उस जूज ग्लोबल कंपनियों में नव वायरलेस शामिल हुई है। यह उपलब्धि विश्व में सुरक्षित, हाई-स्पीड और सबसे आधुनिक-नेक्स्ट जेनरेशन कम्युनिकेशन सिस्टम के क्षेत्र में भारत की क्षमता को दशार्ती है। नव वायरलेस टेक्नोलॉजीज के सीटीओ और सह-संस्थापक हार्दिक सोनी ने बताया कि, न्यूयॉर्क में LiFi लॉन्च करना नव वायरलेस के लिए सिर्फ एक माइलस्टोन ही नहीं बल्कि भारत के लिए भी गौरव का क्षण है। यह इस बात का स्पष्ट संकेत है कि मेड इन इंडिया इनोवेशन तेज, सुरक्षित तथा इंटरफेस-मुक्त टेक्नोलॉजी के माध्यम से विश्व के डिजिटल भविष्य को निर्धारित कर सकता है। LiFi सिस्टम नई विकसित टेक्नोलॉजी है जो असाधारण स्पीड, पूर्ण सुरक्षा तथा इंटरफेस-मुक्त कार्यप्रदर्शन प्रदान करती है, परिणामस्वरूप डेटा-केंद्रित बनी दुनिया में यह वायरलेस कनेक्टिविटी का भविष्य बनेगी।

अमेरिकी भागीदार खएरउड वेंचर लैब्स के माध्यम से नव वायरलेस अपनी LiFi टेक्नोलॉजी का विस्तार न्यूयॉर्क के अलावा अमेरिका में अन्यत्र भी करेगी और मेड इन इंडिया टेक्नोलॉजी सरकारी एजेंसियों, रक्षा संस्थानों, अस्पतालों, यूनिवर्सिटियों, एयरपोर्ट तथा वित्तीय संस्थानों तक पहुंचाएगी। इस पहल के साथ 6G-सक्षम ऑप्टिकल वायरलेस भविष्य के लिए आधार रखने का कार्य भी हो गया है।

ऑडी इंडिया की आजियो लक्स के साथ साझेदारी

मुंबई। ऑडी इंडिया ने भारत के अग्रणी लग्जरी प्लेटफॉर्म, आजियो लक्स के साथ साझेदारी की है। इस साझेदारी का मकसद ऑडी कलेक्शन को देश भर के ग्राहकों, उत्साही और ब्रांड के प्रति वफादार लोगों तक पहुँचाना है। यह कलेक्शन खरीदारों को प्रीमियम लाइफस्टाइल विकल्पों के साथ त्योहार मनाने का अवसर प्रदान करता है। इन विकल्पों में ऑडी की प्रगतिशील डिजाइन की फिलॉसफी रोजमर्रा के जीवन में शामिल की गई है। इस कलेक्शन में 30 से अधिक लाइफस्टाइल प्रोडक्ट्स हैं, जिनमें एक्सेसरीज, प्रीमियम कलेक्टिबल्स और सटीकता से तैयार किए गए मिनिएचर शामिल हैं, जो ऑडी की प्रतिष्ठित डिजाइन लैंग्वेज को रोजमर्रा की खूबसूरती के साथ जोड़ते हैं। इस रेंज की कीमतें 3,000 से शुरू हो रही हैं और यह परफॉर्मेंस से प्रेरित डिजाइन और शिल्पकारिता को एक साथ लाती है। इससे लग्जरी को मेट्रो शहरों से बाहर भी दूसरे महत्वाकांक्षी खरीदारों के लिए और अधिक सुलभ बनाया जा रहा है। अजियो लक्स की देशव्यापी पहुँच और डिजिटल सुविधा के जरिए, ऑडी और अजियो लक्स की साझेदारी यह सुनिश्चित करती है कि लग्जरी अब सिर्फ बड़े शहरों तक सीमित नहीं है।

बीएसई एसएमई एक्सचेंज पर 'अमीनजी रबर लिमिटेड' की शुरूआत

मुंबई। 'अमीनजी रबर लिमिटेड' पुलों के बियरिंग्स, एक्सपेंशन जॉइंट्स और विभिन्न प्रकार के रबर पैड्स जैसे औद्योगिक रबर इंजीनियरिंग उत्पादों की एक प्रमुख निमार्ता है और इसने आज बीएसई एसएमई एक्सचेंज पर अपनी शुरूआत की। सफल एसएमई इनिशियल पब्लिक ऑफरिंग (आईपीओ) के बाद कंपनी के शेयरों को लिस्ट में शामिल किया गया, जिसे निवेशकों की ओर से जबरदस्त प्रतिक्रिया मिली और साथ ही 2.12 गुना से अधिक सब्सक्रिप्शन।

घंटी बजाने का प्रतीकात्मक समारोह हैदराबाद स्थित बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) कार्यालय में आयोजित किया गया, जिसने अमीनजी रबर लिमिटेड के इक्विटी शेयरों के ट्रेडिंग की शुरूआत को दशार्या। इस समारोह का नेतृत्व अमीनजी रबर लिमिटेड के चेयरमैन एवं मैनेजिंग डायरेक्टर श्री मुफद्दल दीसावाला (अमीनजी) ने किया। इस अवसर पर कंपनी के वरिष्ठ अधिकारी, निवेशक और एक्सचेंज के सदस्य भी मौजूद थे। कंपनी ने अपने एसएमई आईपीओ को 95-100 रुपये प्रति शेयर के प्राइस बैंड के साथ लॉन्च किया था, और इसने प्राइस बैंड की ऊपरी सीमा पर 30,00,000 इक्विटी शेयर बेचकर सफलतापूर्वक 30 करोड़ रुपये जुटाए। मुफद्दल दीसावाला (अमीनजी), चेयरमैन और मैनेजिंग डायरेक्टर ने कहा, बीएसई एसएमई प्लेटफॉर्म पर हमारी लिस्टिंग, अमीनजी रबर की विकास यात्रा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। हमारे आईपीओ को मिले जबरदस्त निवेशक समर्थन ने हमारे विशन और व्यवसायिक मूल्यों में विश्वास को और मजबूत किया है।